पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 228

ग्वालियर, शनिवार, 9 अक्टूबर, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

-पीएम अपनी कैबिनेट में ऐसे मंत्री को रखे हुए हैं, जिसका आपराधिक रिकॉर्ड है

प्रियंका गांधी बोलीः गृह राज्यमंत्री को सस्पेंड न कर मोदी दे रहे नकारात्मक संदेश

लखनऊ। लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में सियासी घमासान के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिंसा मामले को लेकर विवादों में घिरे केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त न करके संदेश दे रहे हैं कि इस देश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता कुछ भी कर सकते हैं और उनके राज में आम जनता और गरीबों को न्याय नहीं मिल सकता। लखीमपुर खीरी कांड में मारे गए बहराइच के मोहरनिया निवासी किसान गुरविंदर सिंह के परिजन से मुलाकात करने आई प्रियंका गांधी ने संवाददाताओं से कहा, गृह राज्य मंत्री ने यदि इस्तीफा नहीं दिया या उन्हें बर्खास्त नहीं किया गया, तो इसका मतलब यह होगा कि इस देश की सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता को संदेश दे रहे हैं कि अगर कोई सत्ता में है, मंत्री है, भाजपा में है, तो वह कुछ भी कर सकता है। उन्होंने कहा, इस देश में आम जनता, गरीबों, किसानों, दलितों और महिलाओं के लिए कोई न्याय नहीं है। मैं नरेंद्र मोदी जी से कहना चाहती हूं कि इस घटनाक्रम से आप देश की जनता को यही संदेश दे रहे हैं। प्रियंका ने कहा, प्रधानमंत्री अपनी कैबिनेट में ऐसे मंत्री को रखे हुए हैं, जिसका आपराधिक रिकॉर्ड है और जिसके बेटे पर हत्या का संगीन आरोप लगा है।

आखिर वह मंत्री कैबिनेट में क्यों बना हुआ है? उसे बर्खास्त क्यों नहीं किया गया? उन्होंने लखीमपुर खीरी कांड के मुख्य अभियुक्त और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा द्वारा टीवी चैनलों से बेधड़क बातचीत किए जाने पर निशाना साधते हुए कहा, हर जगह नाकाबंदी है। हम लोग ऐसे आए हैं, जैसे चोर हों और उनका बेटा बैठ कर साक्षात्कार दे रहा है। उसके पिता मंत्री हैं और आप बोलते हैं कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था नंबर वन है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, हम सभी मृतक किसानों के परिवारों से मिले हैं। उन सबका यह कहना है कि उन्हें मुआवजे से कोई मतलब नहीं है। उन्हें सिर्फ गृह राज्य मंत्री की बर्खास्तगी, अपराधियों की गिरफ्तारी और इंसाफ से मतलब है।

बनारस में 7 वचनों के साथ चुनावी शंखनाद करेंगी प्रियंका गांधी वाड्रा

वाराणसी। यूपी में आगामी वर्ष 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी काशी से करेंगी। इस दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ, मां कुष्मांडा, बाबा काल भैरव दरबार का दर्शन करेंगी। जिसके बाद वहां रैली में 7 वचनों के साथ चुनावी शंखनाद करेंगी। 10 अक्टूबर को वाराणसी में जगतपुर स्थित इंटर कॉलेज में प्रियंका की प्रतिज्ञा रैली को संबोधित करने वाली है। सियासी गलियारों में पूर्वांचल का केंद्र माने जाने वाले बनारस में प्रियंका धार्मिक और सियासी दौरा दोनों एक साथ कर रही हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय राय ने बताया कि 10 अक्टूबर को प्रियंका सबसे पहले बाबा विश्वनाथ और दुर्गाकुंड स्थित कुष्मांडा देवी के दर्शन करेंगी। इसके बाद रैली में जनता को संबोधित करेंगी। रैली को लेकर कांग्रेस के नेता खासा इंतजाम कर रहे हैं। राय का कहना है कि ये महारैली आयोजित है।जिसमें 2 लाख से अधिक की भीड़ होगी।रैली में प्रियंका गांधी जनता को 7 वचन देंगी और सरकार बनने के बाद सबसे पहले उन वचनों को निभाएंगी। ये 7 वचन क्या है इसका खुलासा प्रियंका रैली में ही करेंगी, लेकिन इन वचनों को देते वक्त प्रियंका बाकायदा हाथ उठाकर प्रतिज्ञा करेंगी।बता दें कि लखीमपुर में सियासी बढ़त लेने के बाद प्रियंका का दौरा सीधे वाराणसी में होना है।इसके बाद कांग्रेस नेताओं में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बता दें कि 'हम वचन निभाएंगे के नाम से एक बस यात्रा निकाली जायेगी। जोकि बनारस, अयोध्या, सहारनपुर, आगरा और झांसी जैसे यूपी के 5 अलग-अलग हिस्सों से निकाली जायेगी।कांग्रेस की ये प्रतिज्ञा यात्रा करीब 12 हजार किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर हर बड़े गांव और कस्बे से होकर गुजरेगी।

खास खबर

बिजली संकट की ओर बढ़ रहा है मध्य प्रदेशः कमल नाथ

भोपाल। प्रदेश में गहराते बिजली संकटर को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने ट्वीट कर कहा है कि मध्य प्रदेश में कोयले का भंडार खत्म होने की कगार पर है। इससे राज्य गहरे बिजली संकट की ओर बढ़ रहा है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमत आसमान छू रही है। जनता महंगाई से त्रस्त है। आज हर वर्ग परेशान है और सरकार चुनाव में लगी है। उन्होंने ट्वीट किया कि प्रदेश में कोयले का भारी संकट बना हुआ है, जिससे बिजली का उत्पादन लगातार घट रहा है। बिजली संयंत्रों की कई इकाइयां बंद हो चुकी हैं। प्रदेश गहरे बिजली संकट की और बढ़ रहा है। किसान खाद को लेकर परेशान हो रहे है। व्यापारी खाद की कालाबाजारी कर रहे हैं। युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहे हैं। कर्मचारियों और पेंशनरों का महंगाई भत्ता व राहत में अभी तक वृद्धि नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि इसकी मांग को लेकर कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं। अनुसूचित जाति-जनजाति और पिछड़ा वर्ग पर अत्याचार की घटनाएं प्रतिदिन सामने आ रही हैं पर सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही हैं। उन्होंने शिवराज सरकार से मांग की है कि परेशान जनता को राहत देने के लिए कदम उठाए जाएं। स्वास्थ्य सेवाएं के हाल बेहाल हैं। डेंग और अन्य बीमारियों से बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हैं और सारे अस्पताल भरे हुए हैं पर सरकार का ध्यान सिर्फ चुनाव में लगा हुआ है।

बहराइच जा रहे अखिलेश बोले पुलिस मंत्री को मारेगी सैलूट या करेगी जांच

नई दिल्ली। लखीमपुर हिंसा में मारे गए दो किसानों के परिवारों से मिलने के लिए बहराइच जा रहे हैं। शुक्रवार को बहराइच रवाना होने से पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी सरकार खुद को दमदार बताती है, अगर ऐसा है तो उसे गरीबों के साथ खड़ा होना चाहिये। यह सरकार तो सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में लेने के बाद थोड़ा जागी है। पुलिस क्या जांच करेगी वह तो पहले मंत्री को सैलूट मारेगी। सम्मन के साथ गुलदस्ते भेजे जा रहे हैं। इसी लिये मंत्री को इस्तीफा देना चाहिये। इस सवाल पर कि उनका लड़का नेपाल में है, इस पर अखिलेश ने कहा कि मंत्री के नेपाल से पुराने रिश्ते है। अखिलेश यादव शुक्रवार को दोपहर एक बजे जिले के नानपारा तहसील स्थित बंजारन टांडा पहुंचेंगे। वे यहां मृतक किसान दलजीत सिंह के परिजनों से मिलेंगे। इसके बाद यहां से इसी इलाके के मोहरनियां गांव के लिए कूच करेंगे। वे दोपहर 1ः45 बजे मृतक गुरविंदर सिंह के पिता सुखविंदर सिंह व परिजनों से मुलाकात करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के साथ कई सपा नेताओं के भी आने की संभावना है। जिसके लिए प्रशासनिक अमला पूरी तरह सतर्क हो गया है।

क्राइम ब्रांच के सामने पेश नहीं हुआ आशीष

नई दिल्ली। लखीमपुर हिंसा के छठवें दिन यूपी में एक तरफ पुलिस की सक्रियता दिख रही है तो दूसरी तरफ सियासत अब भी गर्म है। इस बीच केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा का बेटा और मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा घर पर नोटिस चस्पा होने के बावजूद आज क्राइम ब्रांच के सामने पेश नहीं हुआ। पुलिस ने कल केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के घर पर नोटिस चस्पा कर आज सुबह 10 बजे आशीष को पूछताछ के लिए बुलाया था।

उपचुनाव का घमासान...विरासत छीनने की खिलाफ, भाजपा और कांग्रेस में बगावत

सतना में पूर्व मंत्री जुगल किशोर बागरी के बेटे पुष्पराज और आलीराजपुर में दीपक भूरिया ने भरा निर्दलीय पर्चा

भोपाल। सतना के रैगांव विधानसभा सीट को लेकर भाजपा और आलीराजपुर के जोबट विधानसभा सीट पर कांग्रेस में बगावत हो गई है। रैगांव से पूर्व मंत्री जुगल किशोर बागरी के बेटे पुष्पराज बागरी ने भाजपा से बगावत कर पर्चा भर दिया है। यह सीट जुगल किशोर बागरी के निधन के बाद खाली हुई थी। इधर, भाजपा प्रत्याशी प्रतिमा बागरी ने सीएम और प्रदेश अध्यक्ष की गैरमौजूदगी में नामांकन भर दिया है। सीएम सुबह 2 बजे पहुंचने वाले थे, लेकिन वे निवाड़ी के पृथ्वीपुर में ही फंस गए। आलीराजपुर के जोबट में कांग्रेस में बगावत हो गई है। पूर्व विधायक कलावती भूरिया के भतीजे दीपक भूरिया ने निर्दलीय पर्चा भरा है। कांग्रेस से महेश पटेल को टिकट मिलने के बाद से वे नाराज चल रहे थे। दीपक के मैदान में आने से यह उपचुनाव त्रिकोणीय हो सकता है। भाजपा से सुलोचना रावत को मैदान में उतरा है। अपने समर्थकों के साथ आतिशबाजी करते हुए शुक्रवार को दीपक भूरिया नामांकन दाखिल करने पहुंचे। भूरिया ने कहा कि स्व. कलावती भूरिया के सम्मान में चुनाव लड़ूंगा। दीपक के अलावा भाजपा की सुलोचना रावत शुक्रवार को दोबारा से रैली निकाल कर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और सांसद गुमानसिंह डामोर के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंचीं। कांग्रेस के उम्मीदवार महेश पटेल ने भी शुक्रवार को दोबारा नेताओं और समर्थकों के साथ रैली निकालकर नामांकन दाखिल करने पहुंचे।

पुष्पराज सहित 20 समर्थकों पर एफआईआरः रैगांव से टिकट के प्रबल दावेदार माने जा रहे पूर्व मंत्री जुगल किशोर बागरी के बेटे पुष्पराज बागरी शुक्रवार को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया। भाजपा द्वारा प्रतिमा बागरी को टिकट देने के बाद से ही उन्होंने बगावती रुख अपना लिया था। गुरुवार को वे अपने समर्थकों के साथ नामांकन फार्म लेने कलेक्ट्रेट पहुंचे थे।

सीएम योगी की विरोधियों को दो टूक, सिर्फ आरोप पर किसी की गिरफ़्तारी नहीं करने वाले

गोरखपुर। उत्तरप्रदेश के गोरखपुर में पूर्वांचल कार्यक्रम में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर और लखनऊ में कोई तुलना नहीं की जा सकती है। लखनऊ प्रदेश की व्यवस्था के संचालन का केंद्र है और गोरखपुर मेरी आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बिंदु है। हमारे द्वारा पूरी ईमानदारी से दमदार तरीके से प्रदेश सरकार की उपस्थिति गांव-गांव में और घर-घर पहुंचाई।सीएम ने कहा कि बीजेपी ने चुनाव के ठीक पहले चुनाव घोषणापत्र को लोक कल्याण संकल्प पत्र रखा था। हमें खुशी है कि बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र को अक्षरशः लागू किया है। प्रदेश ने फिर से अपने खोए हुए गौरव को प्राप्त किया है। लखीमपुर खीरी हिंसा पर सीएम योगी ने कहा कि ये घटना दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।सरकार इस घटना की तह तक जा रही है।लोकतंत्र में हिंसा की जगह नहीं है।चाहे कोई भी हो कानून सबके लिए समान है, कानून सबके साथ समान रूप से व्यवहार भी करेगा।लेकिन हाईकोर्ट की ये रूलिंग भी है कि गिरफ्तारी से पहले पर्याप्त साक्ष्य भी होने चाहिए। हम किसी के खिलाफ सिर्फ आरोप पर गिरफ़्तारी नहीं करने वाले है। हमने साक्ष्य मिलने के बाद सभी की गिरफ्तारी की है, चाहे वह बीजेपी का विधायक हो या विपक्ष का नेता हो। कांग्रेस सहित विपक्ष के तमाम नेताओं का आरोप है कि उन्हें लखीमपुर जाने से रोका गया, क्योंकि ये कुछ गलत कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि हमने तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज की।

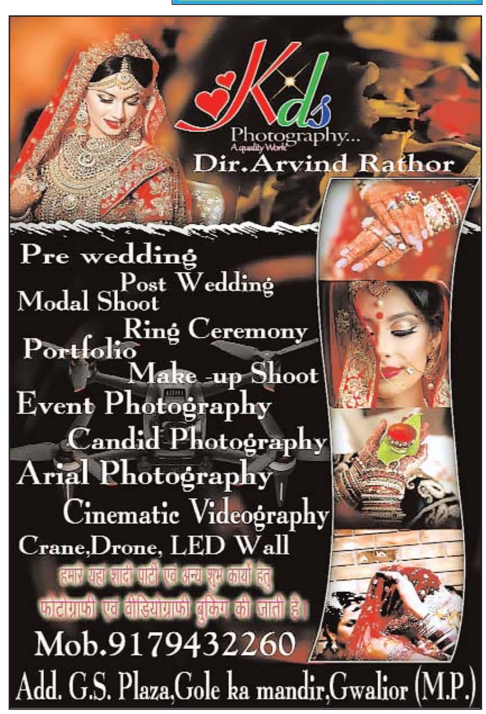

अंगूठा छाप चला रहे हैं मेडिकल स्टोरः डॉक्टर के पर्चे के बिना दे रहे हैं दवा,खुद बन बैठे डॉक्टर

शिवपुरी।
जिले के मायापुर थाने अंतर्गत आने वाले गांव बुधोन राजापुर में कई मेडिकल स्टोर संचालित हो रहे हैं। इन सभी मेडिकलो स्टोरो पर रिटेल मेडिकल लाईसेंस नही हैं। यह स्टोर संचालक अंगूठा छाप हैं और यह सभी मरीजो को बिना डॉक्टरो के दवा दे रहे हैं इतना ही नही अगर आप इन मेडिकल स्टोरो पर बिना डॉक्टर के सीधे अपका मर्ज पूछकर दवा देने की सुविधा भी है।

मरीजों की जान को खतरा

अयोग्य व्यक्तियों को मेडिकल दुकान संभालने की जिम्मेदारी दे दी गई है, जिसे दवाइयों की जानकारी तक नहीं रहती है। इन मेडिकल स्टोर्स के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। गैर डिप्लोमा, डिग्रीधारी द्वारा मेडिकलों का संचालन किए जाने से मरीजों की जान को खतरा रहता है। दवाइयों की सही जानकारी नहीं होने से मरीजों को गलत दवाइयां दी जा सकती है। ऐसे में मरीजों की जान पर बन जाती है, लेकिन कार्रवाई के अभाव में यह गोरखधंधा खूब फल-फूल रहा है देख कर भी अनदेखा कर रहे जिम्मेदार।

स्टोर संचालक ने कहा नही हैं लाइसेंस

राजापुर गांव में अनेक डॉक्टर बिना डिग्री धारी व लाइसेंस धारी मेडिकल स्टोर के बीच मे एक बिना लाइसेंस के श्री गणेश मेडिकल स्टोर पिछले एक माह से संचालित किया जा रहा है जबकि यह बात खुद मेडिकल के कमर्चारी व जो अपने आप को मेडकिल का संचालन करता है उक्त युवक ने कहा कि हमने दुकान तो कई दिन पहले खोल है जबकि हमारे लाइसेंस समन्धित कागजात नही आये है 5 से 10 दिन में आ जायेगा लाइसेंस इस बात पर गौर करने वाली बात है।।

नहीं है डोज की जानकारी

दवाओं के अनाधिकृत कारोबारियों को एलोपैथी दवाओं के डोज की किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं है, लेकिन यह किसी मेडिकल प्रेक्टिशनर की भांति मनमर्जी से डोज बताते हुए लोगों को उपलब्ध करा रहे हैं। इससे लोगों को इन दवाओं के मनमाने डोज से तात्कालिक लाभ तो मिल रहा है पर साइड इफेक्ट के घेरे में आ रहे हैं।

किराने और जनरल स्टोर पर मिल रही हैं दंवाए

मेडिकल स्टोर संचालित करने के लिए ड्रग लाईसेंस लेना आवश्यक हैं,ओर ड्रग लाईसेंस उसी व्यक्ति को मिल सकता हैं जिस पर डी फर्मा की डिप्लोमा होता हैं,लेकिन इस क्षेत्र में ऐसा नही हैं अंगूठा छापो ने मेडिकल स्टोर खोल रखी है। रन्नौद , राजापुर , अकाझिरी , मायापुर, आदि गांव में दवा बिक्री के कारोबार में ब? पैमाने पर अनियमितताएं हो रही हैं। दवाओं को जनरल स्टोर और किराना की दुकानों तक में खुलेआम बेचा जा रहा है। एक लाइसेंस पर अन्य दुकानें भी चल रही और बिना फार्मानिस्ट के ही दवा विक्रय करने पर कोई रोक नहीं लग पा रही है। इससे जनजीवन के साथ भी खिलबा? हो रहा है। यह हालात शासन व प्रशासन महकमे की ढील के कारण बने हैं। अनाधिकृत रूप से चल रहे मेडिकल स्टोर्स की बरसों से नियमित जांच नहीं की जा रही है, अगर कभी की जाती है तो वह शहरी क्षेत्रों तक सिमट कर रह जाती है।

खदान क्षेत्र मजदूर अज्ञानता के कारण ले रहे हैं दवा

यह पूरा क्षेत्र खदान क्षेत्र हैं पत्थर का कारोबार यहां होता हैं। इस क्षेत्र में मजदूरो की संख्या अधिक हैं ऐसे मजदूर भी यहां निवास करते हैं जो बहार से आए हैं। यह सभी मजदूर डॉक्टर की फीस बचाने के चक्कर में सीधे मेडिकल स्टोर पर दवा लेने चले जाते हैं,दवा तत्कला काम तो करती हैं,लेकिन बाद में साईड इफैक्ट का खतरा बन जाता है। उदाहरण के लिए आपको बुखार आया और आप मेडिकल स्टोर पर पहुंच गए और एक पैरासीटामोल की एक या खुराक आपने ले ली, बुखार तो तत्काल उतर जाऐगा। फिर आपको बुखार आता हैं आपने ऐसे ही बिना डॉक्टर को बताए बिना जांच के फिर दवा ले ली। इसके बाद आपकी तबीयत अधिक खराब हो जाती हैं फिर आप डॉक्टर के पास जाते हैं। उसके बाद आपकी जांच होती हैं तो पता चलता है कि आपको जानलेवा,डेंगू मलेरिया या टाइफाइड जैसा कुछ निकला है जो अब जानलेवा हो गया।

महाराष्ट्र से आया युवक निकला कोरोना पॉजिटिव

शिवपुरी।
कोरोना की दूसरी लहर में जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है उनके लिए तो और भी ज्यादा खतरनाक है कि शहर में आज फिर कोरोना का आगाज हुआ है। करैरा और बदरवास के बाद अब शिवपुरी से भी एक युवक कोरोना पॉजीटिव पाया गया है। यह युवक नासिक से आया था और इसे वैक्सीन का पहला डोज लग गया है।जानकारी के अनुसार सलमान पुत्र वसीर खान उम्र 29 साल निवासी मनियर आंगनवाडी के पास नासिक से लौट कर शिवपुरी आया था। हाथ पैर में दर्द होने पर वह जिला चिकित्सालय में पहुंचा। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उक्त युवक को उपचार देते हुए कोविड टेस्ट कराने की सलाह दी। जिसपर टीम ने उक्त युवक का कोविड सेम्पल लिया। जिसके चलते युवक को जांच रिपोर्ट आई वह पॉजीटिव पाया गया। बताया गया है कि उक्त युवक घर आने के बाद घर के ही पांच लोगों के संपर्क में आया था। इसके अलाबा वह अन्य किसी के संपर्क में नहीं आया। आज युवक के पॉजीटिव आते ही स्वास्थ्य विभाग ने युवक से संपर्क किया तो युवक का मोबाइल बंद मिला। जिसके चलते टीम ने घर जाकर युवक को ट्रेस किया।

शहर में चल रहा धड़ल्ले से सट्टा कारोबार, जिम्मेदार फेल

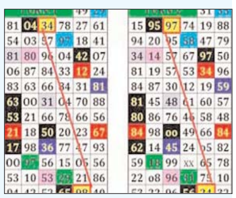

शिवपुरी।
शिवपुरी शहर में इन दिनों सट्टे का अवैध कारोबार जोर शोर से चल रहा है। एक रुपए को अस्सी रुपया बनाने के चक्कर में खासकर युवा वर्ग अधिक बर्बाद हो रहे हैं। सट्टे के इस खेल को ब?ावा देने सटोरी ग्राहकों को मुफ्त में स्कीम देखने सट्टे नंबर वाले चार्ट उपलब्ध करा रहे हैं। इसका गुणा भाग कर ग्राहक सट्टे की चपेट में बुरी तरह से फंस कर पैसा इस अवैध कारोबार में गंवा रहा है। शहर के सदर बाजार, टेकरी, बस स्टैंड,पुरानी शिवपुरी, फतेहपुर, कमालगंज सहित चौक चौराहे में स्थित कई चप्पल जूतों की दुकानों में भी सट्टे लिखवाने वालों की भी? देखी जा सकती है। खाईवालों के चक्रव्यूह में लोग इस कदर फंस चुके हैं की इससे उबर नहीं पा रहे हैं। शहर में एक दो नही बल्कि कई खाईवाल लंबे समय से सट्टा संचालित कर रहे हैं। पुलिस और खाईवालों की मिलीभगत से यह अवैध कारोबार नगर सहित आस पास के अंचल में पुरी तरह से चरम पर है। खाईवालों ने शहर में अपना-अपना जोन बंटा हुआ है। एक दूसरे के जोन में कोई दखल नहीं देता है। राजनैतिक पहुंच और पुलिस से सांठगांठ के चलते ये अवैध कारोबार को बाकायदा लाइसेंसी कारोबार के रूप में खुले आम शहर में संचालित हो रहा है। पुलिस और खाईवालों की सेटिंग इतनी तग?ी है कि ऊपर अधिकारियों को दिखाने ये खाईवाल अपने गुर्गों के नाम हर महीने एक-एक प्रकरण बनवा देते हैं। ऊपर बैठे अफसरों को लगता है पुलिस कार्रवाई कर रही है। जबकि वास्तव में ये सांठगांठ का एक पहलू होता है। सवाल ये है कि जब पुलिस हर महीने सटोरियों के गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई करती है तो फिर उनसे पूछताछ कर खाईवालों तक क्यों नहीं पहुंच पाती।

शिवपुरी में सूअरों का आतंक यथावत बेशर्म बना हुआ है नगरपालिका विभाग, अब न्यायपालिका का ही आसरा

शिवपुरी। शहर में सुअरों को लेकर तमाम दिलासे और आश्वासन देने के बाद भी नगर पालिका प्रशासन शिवपुरी शहर में सूअरों की लाईलाज समस्या का समाधान नहीं कर पाया है और न ही नगर पालिका में कार्यरत सूअर पालकों के विरूद्ध कोई कदम उठा पाया है। जिसके कारण शहर में सूअरों की समस्या यथावत बनी हुई है और कॉलोनियों गलियों तथा मोहल्लों में सूअरों की भारी भीड़ देखी जा रही है। ऐसी स्थिति में अब नगर पालिका का ही आसरा है। सूअर समस्या से शहर को मुक्ति दिलाने के लिए अभिभाषक संजीव बिलगैयां ने उच्च न्यायालय में याचिका प्रस्तुत की है। जिसकी सुनवाई अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में होने की उम्मीद है। शिवपुरी शहर में पिछले 10 सालों से सूअरो की समस्या बनी हुई है। जिसने अब बहुत ही गंभीर रूप ले लिया है। सूअरों के लिए नगर पालिका ने प्रयास तो किए। लेकिन पूरे मन से प्रयास न करने के कारण कोई लाभ नहीं हुआ बल्कि सरकारी खजाने से भी लाखों रूपए सूअरों के शूटआउट के नाम पर खर्च कर दिए गए। मजे की बात तो यह है कि अधिकांश सूअर पालक नगर पालिका में कार्यरत हैं। लेकिन इसके बाद भी नगर पालिका प्रशासन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहा। बल्कि आरोप तो यह है कि नगर पालिका प्रशासन का सूअरों पलको को खुला संरक्षण मिला हुआ है। प्रदेश सरकार की मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के निर्देश पर पिछले दिनों कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह भी सूअर पालक के निवास स्थान पर पहुंचे थे और ऐसा लगा था कि सदभावनापूर्ण तरीके से सूअर समस्या का हल हो जाएगा। लेकिन परिणाम कुछ नहीं निकला। इसी दौरान अभिभाषक संजीव बिलगैयां ने कहा कि वह इस समस्या के निदान के लिए उच्च न्यायालय जा रहे हैं और उच्च न्यायालय के निर्देशों का यदि पालन किया जाता तो सूअर समस्या कभी की हल हो गई होती। इसके पश्चात नगर पालिका प्रशासन चेता और उसने सूचना जारी कर सूअर पालकों से कहा कि वह अपने सूअरों की जानकारी निश्चित दिनांक तक दें अन्यथा उक्त सूअरों को लावारिश मानकर उनकों पकडने तथा उनके खात्मे की कार्रवाई की जाएगी।लेकिन इस सूचना का भी सूअर पालकों पर कोई असर नहीं हुआ। इसके बाद नगर पालिका ने टीम बुलाकर सूअरों की पकड़ा धकड़ी की और मुश्किल से 500-700 सूअर ही पकड़े जा सके। जबकि शहर में 30 से 40 हजार तक सूअर हैं। इसके बाद नगर पालिका ने सूअरों को पकडने का अभियान रोक दिया और सूअर पालक निश्चिंत हो गए। जिसके कारण हर गली मोहल्ले और कॉलोनियों में सूअरों का जमावड़ा देखा जा रहा है। सूअरों के कारण शहर में कई लोग आए दिन दुर्घटना के भी शिकार हो रहे हैं।

पर्यटक स्वागत केंद्र पर स्पेशल गरबा कार्यक्रम ,कल यहां होगा पंजीयन

शिवपुरी।
जिला पुरातत्व एवं पर्यटन संस्कृति परिषद शिवपुरी के अध्यक्ष एवं कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह तथा सचिव एवं प्रभारी डीएटीसीसी डिप्टी कलेक्टर शिवांगी अग्रवाल के मार्गदर्शन में प्रत्येक रविवार पर्यटक स्वागत केंद्र छत्री रोड होटल सुखसागर के पास देशभक्ति व धार्मिक गीतों पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। जिला पर्यटन संस्था शिवपुरी अरविंद सिंह तोमर ने बताया कि इस रविवार 10 अक्टूबर को शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक नवरात्रि महापर्व शुभ मोके पर पर्यटक स्वागत केंद्र पर गरवा स्पेशल, डांडिया की थीम रखी गई है। इस थीम पर ही डांस या गरवा होगा। इस कार्य हेतु शनिवार 9 अक्टूबर रात्रि तक प्रतिभागी अपना नाम नंबर दर्ज करा सकते हैं। जो भी इस थीम के अनुरूप भाग लेना चाहें, वह अपने नाम व गीत के बोल लिखकर मुझे पर्सनल या मुकेश आचार्य मोबाइल नंबर 8319258033 अथवा होटल सुख सागर को दे सकते हैं।

टॉयलेट घोटाले का आरोपी को ऑर्डिनेटर सरेंडर एक करोड़ के शौचालय चुराने का आरोप

शिवपुरी।
जनपद पिछोर की ग्राम पंचायतो में शौचालयों की राशि हितग्राहियों की जगह दूसरे खातो में भेजकर 1 करोड का गबन हुआ था। इस मामले में स्वच्छ भारत मिशन के ब्लॉक समन्वयक ने गुरूवार को पिछोर कोर्ट में सरेंडर कर दिया। खबर लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने पूछताछ के लिए ब्लॉक समन्वयक को 4 दिन की रिमांड पर लिया है। जानकारी के अनुसा पिछोर जनपद सीईओ पुष्पेंद्र व्यास ने मई 2021 में मामला दर्ज कराया था जिसमें 46 ग्राम पंचायतो में 6 माह में 1048 हितग्राहियों के नाम से फर्जीवाडे के लिए ब्लॉक समन्वयक रामनिवास राजपूत पुत्र उदयसिंह निवासी मेहगांव जिला भिंड को जिम्मेदार ठहराया। सीईओ की रिपोर्ट पर पुलिस ने रामनिवास राजपूत के ख्लिाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू दी। केस दर्ज होने के बाद रामनिवास फरार चल रहा था। गुरूवार को पिछारे कोर्ट आकर सरेंडर कर दिया। पुलिस ने पूछताछ के लिए रामनिवास को चार दिन की रिमांड पर ले लिया है। बताया जा रहा है कि पुलिस की पूछताछ में इस 1 करोड के भ्रष्टाचार में अन्य शामिल लोग की जानकारी मिल सकती हैं।

नवागत बीआरसीसी करैरा ने स्कूलों का किया भ्रमण, एनएएस कक्षाएं विधिवत संचालित ना होने पर दिया नोटिस

करैरा।
स्कूलो की दिशा एवं दशा सुधारने तथा आगामी एनएएस की कक्षाओं की हकीकत जानने के लिए नवागत बी आर सी सी विनोद तिवारी एवम धर्मेन्द्र जैन बीएसी द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम 3.30 बजे प्रा वि मितलोनी का अवलोकन किया तो स्वरूपनारायण साहू उपस्थिति पंजी पर हस्ताक्षर कर नदारद मिले और विधालय में ना तो कक्षाएँ लगायी जा रही और ना ही रिकार्ड संधारित मिला इसके पश्चात 4 बजे मावि मितलोनी का स्टाफ विधालय बंद कर जा रहा था वह टीम को देखकर पुनः वापिस आया और स्कूल खोला गया। इसके बाद 4.40 पर एकीकृत अमोला का अवलोकन किया जो बंद पाया गया, सांय 5 बजे एकीकृत सिरसौद का अवलोकन किया तो स्टाफ तो उपस्थित मिला परंतु एनएएस की कक्षाएं संचालित नहीं मिली, सभी के खिलाफ करवाई हेतु नोटिस जारी किया गया। एनएएस प्रभारी बीएसी धर्मेंद्र जैन द्वारा सभी के रिकार्ड संधारित कराए गये। बीआरसीसी विनोद तिवारी द्वारा ताब?तो? निरीक्षण से मौके पर मिली वास्तविक स्थिति से बहुत नाराजगी जाहिर की, उन्होने सभी सीएसी को निर्देशित किया हैं कि वह 5 स्कूलो का 2.30से 5.30 बजे तक चलने वाली एनएएस कक्षाओं का सघन निरीक्षण कर उसका प्रतिवेदन सांय को ग्रुप पर डाले और कक्षाएँ विधिवत संचालित कराए और जिन स्कूलो द्वारा कोताही बरती जाऐ उनके खिलाफ कड़ी करवाई की जावेगी।

थीम रोड 50 फीट की रोड पर ट्रकों के चालकों ने किया कब्जा, 25 फीट नहीं हटाए तो होगी कार्रवाईः रणवीर

शिवपुरी।
शिवपुरी शहर का ड्रीम प्रोजेक्ट थीम रोड का काम की गति धीमी से भी ज्यादा धीमी हो चुकी है, हालात यह है कि गुना बाईपास से बड़ौदी के लिए जाने वाली सड़क का काम करीब 5 माह पहले शुरू हो गया था जिसके बाद सिर्फ लेफ्ट साइड रोड पर डामरीकरण हो पाया। जब से लेकर अब तक मानों ठेकेदार गुना बाईपास से बड़ौदी की तरफ जाने वाली करीब 3 किलोमीटर की सड़क का काम भूल गया है। वैसे शहर की थीम रोड का काम लगभग पूरा होने को है, लेकिन गुना बाईपास से लेकर बड़ौदी की तरफ जाने वाली रोड का काम अधूरा पड़ा हुआ है, जिसके बाद से ट्रक चालक बीच सड़क पर ही ट्रकों को खड़ा कर रहे हैं। जिसके चलते करीब 50 फीट की सड़क हर रोज 25 फीट की रह जाती है, इससे अन्य वाहन चालकों को समस्या तो हो ही रही है साथ ही मोड पर से गुजरने वाली गाड़ियां दिखाई नहीं देती, इससे घटना की आशंका बनी हुई है। हाल ही में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के शिवपुरी आगमन पर यातायात पुलिस एवं देहात थाना पुलिस ने इन सभी ट्रकों को हटवा दिया था, लेकिन मुख्यमंत्री के जाते ही ट्रक वाले फिर भी सड़क पर आ गए और अब हालाते बनते जा रहे हैं कि ट्रांसपोर्ट वाले एवं बाईपास से गुजरने वाले ट्रकों के चालक आए दिन बीच सड़क पर ट्रक खड़े कर रहे हैं। जिससे यहां लगातार दुर्घटनाएं हो रही है।

इनका कहना हैं

इन्हें हम लगातार बता चुके है। उसके बाद भी यह मान नहीं रहे है। इन ट्रकों के चलते यातायात भी बांधित हो रहा है। अब यह नहीं मान रहे तो इन ट्रक चालकों के खिलाफ चालनी कार्यवाही की जाएगी।

रणवीर सिंह यादव
यातायात प्रभारी शिवपुरी

माँ की याद आयी तो 14 वर्षीय किशोर मिलने पहुंचा 1 हजार किलोमीटर दूर, उधर पिता ने लिखवाई अपहरण की रिपोर्ट

शिवपुरी।
जिले के पोहरी थाना क्षेत्र के घटाई गांव के रहने वाले कक्षा 6 के छात्र राज धाकड़ के अपहरण की रिपोर्ट उसके पिता विजय धाकड़ ने 7 अक्टूबर को पोहरी थाने में दर्ज कराई। लेकिन बेटे का अपहरण नहीं हुआ, बल्कि वह स्वयं एक हजार किमी दूर जमशेदपुर में अपनी मां से मिलने के लिए पहुंच गया। जब राज धाकड़ ने अपने पिता को फोन पर यह जानकारी दी कि वह मां से मिलने के बाद ट्रेन से वापिस लौट रहा है, तब पिता ने राहत की सांस ली। राज धाकड़ की मां जमशेदपुर में काम करती है और वह अपने पिता के साथ घटाई गांव में रहता है। फरियादी विजय धाकड़ ने बताया कि उसका पुत्र राज धाकड़ कोचिंग के लिए कहकर घर से निकला और उसके बाद वह वापिस नहीं आया। इस पर उसने पुलिस में बालक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई और पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। लेकिन दो दिन बाद उसके पुत्र राज धाकड़ का जमशेदपुर से पिता के पास फोन आया और उसने बताया कि वह अपनी मां से मिलने के लिए आ गया था और अब वापिस लौट रहा है। इसके बाद फरियादी ने पोहरी थाने आकर पुत्र के मिलने की जानकारी दी।

तेज वाहन चलाने वालों की अब खैर नहीं जिले को मिली ट्रैंपिक इंटरसेप्टर व्हीकल

शिवपुरी।
मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय की प्रबंध शाखा ने 33 जिलों को ट्रैफिक इंटरसेप्टर व्हीकल प्रदाय किये है। जिसमें एक वाहन शिवपुरी पुलिस को भी प्राप्त हुआ है इस वाहन का उपयोग ओवर स्पीडिंग करने वाले वाहन चालको के खिलाप कर सकेंगे। इस व्हीकल में जी.पी.एस, साउडमीटर,स्पीड रडार में लगे लेजर टेक्नालोजी के कैमरे की रेजोल्यूशन 800/मीटर दूर तक की है इतनी दूरी पर ओवर स्पीड से गुजरने वाले वाहन की स्पीड मापी जा सकेगी। इसमें उसे महज 03 सेकेंण्ड का समय लगेगा लेजर कैमरे से 300 मीटर की दूरी से नंम्बर प्लेट को भी आसानी से पढ़ा जा सकता है वाहन में एक रंगीन प्रिन्टर भी हैं जिससे वाहन चालको का फोटो व लोकेशन आदि की हार्ड कापी भी निकाली जा सकेगी। हाईवे पर बिना शीटवेल्ट, गाडी चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध भी कार्यवाही की जा सकेगी। वाहन को चिन्हित दुर्घटना वाहुल्य स्थलो पर तैनात कर ओवर स्पीड से चलने वाले वाहन चालको पर कार्यवाही की जावेगी। भोपाल पीटीआरआई में ट्रैफिक इंटरसेप्टर व्हीकल को चलाने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण भी दिया गया जिसमें थाना यातायात से सूबेदार अरूण प्रताप सिंह प्रा. आर. 782 सुधीर सिंह आर0 573 इस्तयाक अली प्रशिक्षण प्राप्त कर आये है।

अंधे कत्ल का पर्दाफाश, भाई ने भाई को उतार मौत के घाट

भिण्ड। बीते रोज पत्थर से कुचलकर हुई हत्या का देहात पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने संदेह पर दो युवकों को पकड़ा और उनसे गहराई से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना गुनाह कबूल किया है। जिले में रमटा गांव के राघवेंद्र सिंह भदौरिया का कत्ल की सूचना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। हर कोई इस बात को लेकर आश्चर्य में है कि आखिर राघवेंद्र की हत्या क्यों हुई? पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम् कराकर परिजनों को सौंप दिया। मृतक की अंत्योष्टि के दौरान हर कोई गमगीन था।

मृतक राघवेंद्र पेशे से किसान था। वह अपने पिता का इकलौता बेटे था। वो गुरुवार को नवरात्र के पहले दिन पड़वा से शुभ मुहूर्त में मकान निर्माण गांव में कराना चाहता था। इसके लिए उसने गांव की कुछ जमीन को बेचा था। मृतक के पास मकान निर्माण के लिए सात से आठ लाख रुपए थे। वो बुधवार की दोपहर गांव से मिस्त्री को लेकर भिंड गया। यहां उसने मकान निर्माण के लिए मटेरिया की बुकिंग की और अपने चचेरे भाई पास जाकर मकान बनवाने की बात कही। इसके बाद दोपहर करीब दो बजे वो गांव रमटा आया और मिस्त्री को छोड़ा। इसके बाद फिर से उसने बाइक उठाई। शाम के समय वो फिर भिंड की ओर चला गया। इस बार किसी को कुछ बताकर नहीं गया। रात करीब 11 बजे तक राघवेंद्र घर वापस नहीं लौटा तो परिवार वालों को फिक्र हुई। इसके बाद राघवेंद्र की पत्नी ने भिंड में रहने वाले परिवार वालों को फोन करके पूछा, परंतु कही कोई जानकारी नहीं लगी। पहले तो राघवेंद्र का फोन रिसीव नहीं हो रहा था। रात करीब 11 बजे फोन रिसीव हुआ। कोई अन्य युवक फोन पर बोल रहा था। उसने परा गांव का रहने वाला बताया, उसने अपना नाम नहीं बताया। राघवेंद्र की पत्नी को सिर्फ यह कहा कि फोन सड़क किनारे पड़ा हुआ था। मुझे मिल गया। यह बात सुनकर राघवेंद्र की पत्नी का माथ ठनका। इसके बाद वो पति के आने के इंतजार करती रही। गुरुवार की सुबह जब राघवेंद्र के बेटे अमन और रमन जागे वे भी पिता की खोज इधर उधर करते रहे। सुबह आठ बजे मिस्त्री भी आ गया। इसके बाद करीब नौ बजे राघवेंद्र के कत्ल की सूचना गांव में आग की तरह फैल गई।

मृतक की पत्नी से छिपाकर रखी मर्डर की बात

मृतक का परिवारिक सदस्य अशोक भदौरिया के मुताबिक सुबह नौ बजे परिवार का लड़का सुभाष, दूध बेचने के लिए गया, तभी सड़क किनारे पुलिस को देखा। यहां वो भी रूक गए। उन्होंने देखा कि राघवेंद्र की बाइक पड़ी हुई है। इस बाइक पर राघवेंद्र के बेटों के नाम लिखे थे। इसके बाद उन्होंने देखा कि राघवेंद्र की साफी पड़ी हुई है। खून से सना पत्थर भी पड़ा है। इसकेइ बार सुभाष ने राघवेंद्र के घर फोन करके पूछा कि राघवेंद्र घर से क्या पहनकर निकला। इसके बाद उनके घर वालों ने ड्रेस का कलर बताया। इसके बाद मृतक की पहचान हुई। राघवेंद्र की मौत की खबर पुष्टि होने के बाद गांव के लोग पीएम हाउस पर पहुंचे। उनके बेटों को भी बुला लिया गया। परंतु मृतक की पत्नी से यह बात को छिपाए रखा गया।

पहले हुए हमप्याले फिर पत्थर से कुचलकर हत्या की

भिंड पुलिस ने संदेह के आधार पर दो युवकों को पकड़ लिया है। राघवेंद्र पुत्र रामौतार सिंह भदौरिया और भिखारी उर्फ नरेंद्र नरवरिया निवासी श्री कृष्ण नगर ने राघवेंद्र के साथ बैठकर शराब पी। इसके बाद इन तीनों से झगड़ा हो गया। देहात थाना पुलिस के मुताबिक राघवेंद्र का मोबाइल कही खो गया था। जिस पर इन दोनों पर उसने चोरी का इल्जाम लगाया था। इसी बात से खफा होकर इन दोनों सरिए से सिर पर हमला किया। पहचान छिपाने के लिए चेहरे को पत्थर से कुचल दिया था। इस घटना की पड़ताल के दौरान इन दोनों को पुलिस ने दबोचा तो उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। बताया जाता है कि धर्मेन्द्र, मृतक का खून का रिश्ता है। वो रिश्ते में भाई लगता है।

बेटे का फर्ज निभाया बेटी ने, बाप को दी मुखाग्नि

भिण्ड। बेटियों ने समय-समय पर इस बात का प्रमाण दिया है कि वे बेटों से कहीं कम नहीं हैं। जिले की गोरमी निवासी श्रीमती सरोज कौशल बीजीसी जनपद शिक्षा केंद्र मेहगांव के श्रद्धेय पिता रामसुंदर विमल निवास सरोज नगर भवानीपुरा भिंड का निधन 04 दिसम्बर 2021 को शाम 5.00 बजे हुआ था। इनकी अंत्येष्ठि 05 दिसम्बर 2021 को पुत्री श्रीमती सरोज कौशल ने समाज की परंपराओं को तोड़ते हुए पिता को मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में कुछ लोगों ने कहा कि परिवार के अन्य लोगों से अंतिम संस्कार करा दिया जाए, लेकिन श्रीमती सरोज कौशल ने पुरानी परंपराओं को दरकिनार करते हुए यह फर्ज भी अपने आप ही पूरा कर दिखाया। यह दृश्य देख सैकड़ों लोगों की आंखें भर आईं। स्व.श्री राम सुंदर विमल की एक ही बेटी थी जो अपने पिता के अकेली संतान थी उसके कोई भाई नहीं था अपने पिताजी के अकेली बेटी थी इसलिए सरोज ने भिंड में सरोज नगर भवानीपुरा में इनके पिता जी निवास करते थे उनका अंतिम संस्कार उनकी बेटी सरोज कौशल ने की जा जो आज के समय में अपने पिता को बेटी सरोजनी अंतिम संस्कार कर समाज में एक अच्छा संदेश दिया। श्रीमति सरोज कौशल जनपद मेहगांव बीजीसी शिक्षक केंद्र के पद पर और गोरमी छात्रावास अधीक्षिका का चार्ज भी है।

पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस की दामों में मूल्य वृद्धि को लेकर युकां ने सांसद बंगले पर किया प्रदर्शन

सांसद की गैर मौजूदगी में दीवार पर चस्पा किया ज्ञापन

केन्द्र की बहरी सरकार को जगाने के लिए सांकेतिक रूप से चलाए आवाज वाले पटाखे

भिण्ड। पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस के दामों में दिन प्रतिदिन हो रही वृद्धि को लेकर शुक्रवार को युवक कांग्रेस के प्रदेश सचिव शालू पुरोहित के नेतृत्व में आधा सैकड़ा से अधिक युवा कांग्रेस कार्यकर्ता सांसद संध्या राय के बंगले पर ज्ञापन देने पहुंचे, जब सांसद महोदया बंगले पर नहीं मिलीं तो कार्यकर्ताओं ने बंगले बाहर नारेबाजी करना शुरू कर दी और बहरी सरकार को सुनाने के लिए आवाज वाले पटाखे भी चलाए। तत्पश्चात ज्ञापन की कॉपी बंगले के गेट पर चस्पा कर विरोध प्रदर्शन किया।

युवा कांग्रेस ने ज्ञापन के माध्यम से सांसद का ध्यान आकर्षित कराते हुए बताया है कि आज आमजन महंगाई के कारण त्रस्त है। पेट्रोल, डीजल के दाम 100 रुपए से भी काफी ऊपर पहुंच गए हैं, जिस कारण न सिर्फ आवागमन महंगा हुआ है, बल्कि किसान के लिए आवश्यक खाद-बीज, मध्यम वर्ग के लिए आवश्यक तेल, सब्जी, दाल, शक्कर इत्यादि खाद्य वस्तुएं भी बेहद महंगी हुई हैं। यह महंगाई हाल ही में नहीं बढ़ी, बल्कि विगत कई माहों से अनवरत बढ़ती जा रही है। ऐसे में आमजन की इन मुश्किलों की आवाज केन्द्र सरकार तक न पहुंच पाना आपकी नाकामी का प्रतीक है। क्योंकि लोकतंत्र के मन्दिर (संसद भवन) में हमारी आवाज की प्रतिनिधि आप हैं और वर्तमान परिस्थितियों से यह स्पष्ट हो चुका है या फिर कहें हमारी आवाज केन्द्र सरकार या प्रधानमंत्री तक नहीं पहुंच सकी है। क्या इसका कारण दिल्ली में बैठे निजाम का बहरापन है? अभी कुछ ही दिवस पूर्व शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी की जयंती थी, उन्होंने दिल्ली विधानसभा में सांकेतिक बमबारी कर अपनी गिरफ्तारी देने के दौरान कहा था बहरों को सुनाने के लिए धमकों की जरूरत होती है'' इसी तर्ज पर आज युवा कांग्रेस द्वारा बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस दाम के विरोध में आमजन की आवाज केन्द्र सरकार तक पहुंचाने के लिए सांकेतिक धमाके, आपके सरकारी आवास के बाहर किए जा रहे हैं। उम्मीद है कि शहीद भगत सिंह जी की शहादत को याद करते हुए इन धमाकों की आवाज केन्द्र सरकार तक आपके माध्यम से पहुंचेगी।

प्रदर्शन करने वालों में युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव शालू पुरोहित, पूर्व जिलाध्यक्ष आशीर्वाद शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष विक्रम प्रताप सिंह, शिवांश शर्मा, शिवम सेंथिया, अजा जिलाध्यक्ष सत्यपाल अगरैया, योगेश शाक्य, विनोद जाटव, प्रियांशु यादव, कमलेश जाटव, राजीव जाटव, अभय राजावत, आशीष सोनी, शिवम अग्रवाल, अंकित गोयल, संकेत पुरोहित, रोहित शर्मा, सोहेल पठान, हासिम खान, प्रतीक बरुआ सहित आधा सैंकड़ा कार्यकर्ता मौजूद थे।

ग्राम पंचायत दुल्हागन में सरपंच-सचिव नहीं करा रहे विकास कार्य

कोरोना काल में जमकर किया गड़बड़ घोटाला, ग्रामीणों ने की शिकायत

भिण्ड। अटेर क्षेत्र की विकास खण्ड की ग्राम पंचायत दुल्हागन में कई घोटाले दबे हुए हैं। सरकारे आम जनता के हित और विकास के लिए योजनाएं चल रही है लेकिन ग्राम पंचायत निर्माण कार्यो में भ्रष्टाचार खुलकर सामने दिखाई दे रहा है। अब चाहे सीसी रोड हो या तालाब निर्माण सभी में घटिया सामग्री का इस्तेमाल खुलेआम हो रहे है लेकिन प्रशासनिक अमला कार्रवाई करने को तब भी तैयार नहीं जबकि ग्रामीण स्वयं आगे आकर शिकायत कर रहे है। हालात यह है कि लाखों की लागत से बनी सीसी सड़क कुछ ही महीनों में खत्म होने की कगार पर है तो इसी तरह लाखो की लागत से निर्मित तालाब, सीसी सड़क में सीमेंट कंक्रीट की जगह पत्थर बोल्डर भर दिए गए है। जिससे वो एक ही बारिश में बिखर गए है। सरपंच सचिव मिलकर सभी कामों में जमकर भ्रष्टाचार करने में लगे हुए हैं यहां तक की कोरोना काल में सैनेटाइजर, मास्क से लेकर राशन वितरण में भी जमकर गड़बड़ी की गई है खुलेआम गरीबों का राशन बाजार में बिक्री किया गया है। ग्रामीणों ने अपनी शिकायत में आरोप लगाए कि इंजीनियर, ठेकेदार ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव एवं सहायक सभी ने मिलकर निर्माण कार्यो में में बंदरबांट कर ली है और कुछ राशि से घटिया सीसी रोड बनाकर जनता और शासन की आंखों में धूल झोंक दी। आम जनता कई बार शिकायत कर चुकी है। लेकिन सीसी रोड निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार को लेकर आज तक जांच उपरांत कार्रवाई नहीं हुई है।

गरीबों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जोड़ रही है : राजौरिया

सेवा और समर्पण अभियान के तहत जिला प्रभारी जयप्रकाश राजौरिया ने बगैरा में हितग्राहियों को खाद्य सामग्री वितरित की

भिण्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71 वें जन्मदिन के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी केंद्र और प्रदेश नेतृत्व द्वारा चलाए जा रहे सेवा और समर्पण अभियान के तहत पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य भिंड जिले के प्रभारी जयप्रकाश राजौरिया गोहद विधानसभा क्षेत्र के मंडल मो मैं शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर पहुंचकर हितग्राहियों को खाद्य सामग्री के बैग वितरित किए और वही महिला और पुरुषों ने पीएम नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके लिए धन्यवाद पोस्टकार्ड लिखकर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिले के प्रभारी जयप्रकाश राजौरिया ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार है पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के अंत्योदय के साथ गरीबों को अंतिम छोड़कर खड़े व्यक्ति को आगे की पंक्ति में खड़ा करने के लिए अपनी योजनाओं के माध्यम से जोड़ रही है आप सभी इन योजना का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशवाह मंडल पदाधिकारी विशेष रूप से मौजूद थे।

मध्य निषेध सप्ताह के अंतर्गत रैली निकालकर विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ समापन

भिण्ड । शासकीय एमजेएस महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई -2 द्वारा मध्य निषेध सप्ताह के अंतर्गत 2 से 8 अक्टूबर तक चल रही विभिन्न प्रतियोगिताओं का समापन की शुरुआत प्राचार्य अनूप श्रीवास्तव द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली निकालकर की गई। जिस को नशा सेहत और परिवार के लिए खराब है जैसे नारों से लोगों को जागरुक किया गया। कार्यक्रम में ट्रैफिक इंचार्ज रंजीत सिंह सिकरवार द्वारा कार्यक्रम में बोलते हुए कहा गया कि ज्यादातर दुर्घटना का कारण चालक का नशे में होना लोग नशा करके बहन को विपरीत व तेज गति से चलाते हैं जिसके कारण दुर्घटना होती है ज्यादातर युवा वर्ग काल के गाल में समा रहा है बिना हेलमेट के वाहन चलाने के दुष्परिणामों भी बताएं एवं दुर्घटना लोगों की मदद हम किस प्रकार कर सकते हैं जैसे महत्वपूर्ण बातें स्वयं सेवकों को साझा की एवं उनसे भी उनके विचार लिए आगे क्रम में लेफ्टिनेंट रविकांत सिंह द्वारा रेडियम प्लेट ट्रैक्टरों पर लगाया जाना आवश्यक है एवं वाहन एजेंसी पर भी सेफ्टी गाइडलाइंस के बैनर लगाए जाएं एवं आगे बोलते हुए महिला बाल विकास अधिकारी द्वारा कहा गया कि नशा सबसे ज्यादा घरेलू हिंसा को जन्म देती है घर बर्बाद होते हैं आगे बोलते हुए जिला खेल प्रशिक्षक संजय पंकज ने कहा नशा मनुष्य के विवेक और बुद्धि छीन लेता है जिससे उनका भविष्य अंधकार में चला जाता है। अंत में बोलते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ.आर.ए.शर्मा ने आभार व्यक्त किया इसके साथ स्वयंसेवक भी मौजूद रहे।

कॉमशियल वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप एवं रियर मार्किंग प्लेट अनिवार्य :परिवहन मंत्री

बिना मानक गुणवत्ता वाले रिफ्लेक्टर टेप के कामर्शियल वाहनों को जारी नहीं होगा फिटनेस

भिण्ड । परिवहन एवं राजस्व मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के परिवहन विभाग एक और प्रभावी पहल करने जा रहा है। बिना मानक गुणवत्ता के रिफ्लेक्टर टेप (परावर्ती पट्टिकाओं) वाले कामर्शियल वाहनों को अब फिटनेस सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में समस्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किये गये है। रात्रि में या सर्दियों के मौसम में कोहरे के समय सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण दूर खड़े या दूर से आ रहे वाहन का नहीं दिखाई पड़ना होता है। ऐसे में दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 4.5 लाख सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 1.5 लाख व्यक्तियों की मृत्यु हो जाती है।परिवहन मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि वाहनों पर लगाई जाने वाली रिफ्लेक्टर टेप एआईएस मापदण्डों के अनुरूप होना चाहिए। इस संबंध में एसओपी जारी कर इस प्रक्रिया को पूर्णतरू कम्प्यूटीकृत किया जा रहा है। वाहन निर्माताओं के अधिकृत डीलरों द्वारा वाहन पर लगाये गए रिफ्लेक्टर टेप का सर्टिफिकेट पोर्टल के माध्यम से ही जनरेट होकर प्रिंट हो सकेगा। सर्टिफिकेट पर वाहन पर लगाये गए रिफ्लेक्टर टेप की विस्तृत जानकारी जैसे लम्बाई, चौड़ाई, रंग, टेप का निर्माण वर्ष, कोड, निर्माता का नाम तथा वाहन की जानकारी, जैसे वाहन पंजीयन क्रमांक, चेचिस नम्बर, इंजन नम्बर, वाहन श्रेणी, वाहन की बॉडी का प्रकार आदि अंकित रहेगा।

26 क्वार्टर प्लेन मदिरा जब्त, आरोपी गिरफ्तार

भिण्ड। रौन थाना क्षेत्र के बाइपास रोड पर स्थित टोटल व होटल के पास एक युवक अवैध शराब की बिक्री कर रहा था, मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया और उसके पास से शराब की जब्ती की गई। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार गुरुवार रात 10.30 बजे गजेन्द्र पुत्र गोविन्दराम त्योगी निवासी कस्बा रौन जो क्षेत्र के टोटल व होटल के पास अवैध शराब की बिक्री करते हुए दबोचकर हिरासत में लिया और उसके पास से 26 क्वार्टर प्लेन मदिरा जब्त किया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

दो बाइकों की भिडंत में युवक घायल

भिण्ड। मिहोना थाना क्षेत्र के इमलाहा रोड देवकी नंद चौधरी के खेत के पास दो बाइकों की जोरदार भिडंत हो गइपुलिस के अनुसार भानू प्रताप पुत्र योगेन्द्र राजावत निवासी इमलाहा थाना मिहोना ने बताया गुरुवार सुबह 9.30 बजे वह बाइक से क्षेत्र के देवकी नंद चौधरी के खेत से गुजर रहा था, इसी दौरान आरोपी नारायण सिंह पुत्र हरविलास बघेल निवासी ग्राम नौंधा थाना रौन ने बाइक क्रमांक एमपी30 एमक्यू9429 से टक्कर मार दी और वह घायल हो गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

महिला के साथ छेड़छाड़

भिण्ड। फूप थाना क्षेत्र के रानी बिरंगवा में एक महिला के साथ छेड़छाड़ कर एक युवक ने वारदात को अंजाम दिया और मौका पाकर फरार हो गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया है।

खाद के किसान परेशान, लम्बी-लम्बी कतारों के लगकर करना पड़ रहा अपने नम्बर का इंतजार

भिण्ड। जिला प्रशासन तुम स्वीकार करो या न करो लेकिन स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है, वर्तमान स्थिति में भिण्ड का किसान डीएपी व यूरिया खाद के लिए बहुत परेशान है, ईश्वर से जिस रात्रि को सोने के लिए बनाया है, उसी रात्रि में किसान लंबी-लंबी कतारों में पहले लगने की जद्दोजहद कर रहा है, और अनुशासन ने बिगड़े इसके लिए जिला प्रशासन के कुछ अधिकारी के साथ-साथ पुलिस बल तैनात किया गया है, इससे स्पष्ट नजर आता है, कि व्यवस्था चरामरा तो गई है।

जानकारी के अनुसार कुछ मिनिट पहले ही भारोली तिराहा नई गल्ला मण्डी में पहुँचकर किसानों की पीड़ा से रूबरू हुआ, कई एक सैकड़ा किसान अपनी डीएपी व यूरिया खाद लेने के लिए भीषण गर्मी में परेशान हो रहा है, खाद को सुरक्षा के संरक्षण में बाँटा जा रहा है, मतलब स्पष्ट है कि खाद का आवंटर जिले में आय से कम हुआ है, इस प्रकार से किसान कब तक परेशान होता रहेगा, बड़ा सबाल यहाँ खड़ा होता, जिस किसान की मेहनत से आज देश टिका है वही किसान रात-रात भर यूरिया व डीएपी खाद के लिए जाग रहा है, किसानों की दुर्दशा देखी नहीं जा रही है, और जिला प्रशासन है कि यह सब नजारा अपनी चक्षु से देख रहा है।

जिले में कई एक जगहों पर ब्लैक में बिक रहा है खाद, क्यों नहीं हो रही है छापामार कार्रवाई : जिले में कई जगहों पर जमाखोरों ने खाद का स्टोक भारी मात्रा में कर रखा है, उन मठाधीधों के द्वारा मँहगें दामों में किसानों को यूरिया व डीएपी खाद विक्रय किया जा रहा है, किसान मजबूरन मँहगें दामों में खरीदने के लिए मजबूर है, और जिला प्रशासन के द्वारा इन जमाखोरों के ठिकानों पर छापा क्यों नहीं डाला जा रहा है, यह तमाम प्रकार के प्रश्न उनकी खामोंशी पर सबालिया निशाना खड़ा करता है, जिला प्रशासन के द्वारा हर रोज किसानों से अपील की जा रही है, कि खाद का आवंटन रोजाना हो रहा है, कोई भी परेशान न हो, तो फिर ये कतारें जो लगी है, ये क्यों लंगी है, इसका जबाब कौन देगा साहब।

बड़े पैमाने पर नकली खाद भी जमाखोरों के द्वारा विक्रय किया जा रहा है: कुछेक किसान, रामवीर, सुरेश, वीरेन्द्र, ओमेन्द्र, रामप्रकाश, राजवीर, उदयवीर सिंह, बताते हैं कि जिन जमाखोरों के द्वारा यूरिया व डीएपी खाद बाजार में विक्रय हो रहा है।

आतंकियों की बौखलाहट

कश्मीर घाटी में पिछले कुछ दिनों में कश्मीरी पंडितों की हत्या करने के बाद अब आतंकियों ने दो शिक्षकों की भी हत्या कर दी है। शिक्षा के प्रति घाटी में आतंकियों का यह रुख दर्शाता है कि वे किस कदर बौखलाए हैं और शांति में बदल रहे माहौल को वे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। कश्मीर घाटी में अब आतंकी संगठनों की हताशा स्पष्ट नजर आने लगी है। सेना और सुरक्षाबलों की चौकसी के चलते सीमा पार से घुसपैठ पर लगाम लगी है, सतत तलाशी और निगरानी अभियान की वजह से छिपे आतंकवादियों की पहचान और धर-पकड़ बढ़ी है। ऐसे में जिस तरह पहले वे आम नागरिकों और खासकर युवाओं को बरगला कर हिंसा के लिए उकसाने और पत्थरबाजी आदि करवाने में सफल हो जाया करते थे, वह अब नहीं कर पा रहे। पिछले दिनों बड़े पैमाने पर छापे पड़े, जिनमें दहशतगर्दों को वित्तीय मदद पहुंचाने वालों पर लगाम कस दी गई। इस तरह उनके पास संसाधनों का अभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी का नतीजा है कि अब वे प्रशासन और सरकार को चुनौती देने के बजाय स्थानीय लोगों पर ही अपनी खीज निकालते देखे जा रहे हैं। मंगलवार को घाटी के तीन इलाकों में तीन लोगों की हत्या कर दी गई। वे तीनों स्थानीय कारोबारी थे। उनमें एक कश्मीरी पंडित कारोबारी भी था, जिसने दहशतगर्दी के दौर में भी घाटी छोड़ कर जाने के बजाय वहीं रहने वहीं रहने का फैसला किया था। बाकी दो सामान्य कारोबारी थे, जिनमें से एक खोमचे पर भेलपुरी बेच कर अपने परिवार का पेट पालता था। दूसरा टैक्सी चालकों का संगठन चलाता था और बताया जाता है कि स्थानीय लोगों की हर तरह से मदद किया करता था। ऐसी ओछी हरकतें किसी बड़े मकसद वाले संगठन की नहीं हो सकतीं। इस तरह वे क्या संदेश देना चाहते हैं, समझ से परे है। जिन्हें मारा गया, वे कोई बड़े व्यापारी भी नहीं थे, जिनसे उन्हें किसी प्रकार की रंजिश या खुंदक हो सकती है। कुछ देर को अगर मान भी लें कि एक कश्मीरी पंडित को मार कर वे संदेश देना चाहते रहे होंगे कि वे फिर से पंडितों को वहां से खदेडऩा चाहते हैं, तो इस बात में भी कोई दम नजर नहीं आता। यह ठीक है कि केंद्र की सरकारें कश्मीरी पंडितों को फिर से घाटी में लौट आने के लिए मनाने का प्रयास करती रही हैं। उन्हें वहां बसाने के लिए योजनाएं भी बनाती रही हैं। जो लोग अपना घर-बार, खेत-खलिहान वहां छोड़ आए थे, उसे दिलाने का आश्वासन देती रही हैं। मगर ताजा घटना में जिस कश्मीरी पंडित की हत्या की गई, वह न तो वहां की व्यवस्था में किसी महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वाह कर रहा था, न उसे मारने से व्यापक कश्मीरी पंडित समुदाय को कोई गंभीर संदेश जाता है। ऐसे काम वहशी किस्म के लोग करते हैं, जिनका मकसद सिर्फ स्थानीय लोगों में भय पैदा करना होता है। दरअसल, घाटी में सक्रिय आतंकी संगठनों पर चौतरफा शिकंजा कस चुका है। सबसे बड़ी मुश्किल उन्हें स्थानीय लोगों से पहले जैसा समर्थन न मिल पाने की वजह से पैदा हो रही है। पहले उन्हें स्थानीय लोग संरक्षण दे दिया करते थे, अगर कभी सुरक्षाबल उन्हें पकडऩे के लिए घेराबंदी करते थे, लोग उन्हें रोकने के लिए कवच की तरह खड़े हो जाते थे। अब वैसा नहीं होता। स्थानीय लोग भी समझ चुके हैं कि उनका मुस्तकबिल आतंक में नहीं, मुख्यधारा में शामिल होकर ही है। उधर सीमा पार से भी वैसी मदद नहीं मिल पा रही। हुर्रियत के नेता और कट्टरपंथी ताकतें सलाखों के पीछे हैं या फिर निष्क्रिय कर दी गई हैं। ऐसे में वे किस सहारे अपने पांव पसार पाएंगे। इसकी हताशा और खीज वे लुक-छिप कर निरीह स्थानीय निवासियों पर निकाल रहे हैं। मगर इससे उनका कोई मकसद नहीं सधने वाला।

क्या कांग्रेस खुद को बदल पाएगी....?

ऋतुपर्ण दवे

कांग्रेस के लिए यह संक्रमण काल है। बहुत गहरा और अग्निपरीक्षा सरीखे। कांग्रेस के अस्तित्व पर भी सवाल उठने लगे हैं। अब अक्सर राजनीतिक गलियारों में यह सवाल भी कौंधता है कि कांग्रेस बचेगी भी या नहीं? ऐसे सवालों के पीछे भावनाएं भी अलग-अलग हो सकती हैं। राजनीति में भले ही इन सवालों के मायने कुछ भी निकाले जाएं लेकिन लोकतंत्र के लिहाज से इसे सवाल नहीं भावनाओं की नजर से देखा जाना चाहिए। सच तो यह है कि इस देश के मजबूत लोकतंत्र के पीछे सशक्त विपक्ष की पैनी नजर और उसे प्रोत्साहित करने की ईमानदार मंशा के अतीत के तमाम उदाहरण सबके सामने हैं। लेकिन अब ऐसा नहीं दिखता। क्या देर-सबेर यह लोकतंत्र के लिए ही चुनौती बन सकेगा या फिर केवल कांग्रेस के लिए? भारतीय जनता पार्टी के अनेकों वरिष्ठों के द्वारा कई मौकों पर कांग्रेस को टुकड़े-टुकड़े गैंग कहने की कुछ वर्ष पुरानी शुरुआत सही लगने लगी है। मेरा ऐसा लिखने का अभिप्राय कांग्रेस की मुखालफत कतई नहीं है। बस इतना कि बदली हुई राजनीतिक, सामाजिक और तकनीकी परिस्थितियों के बीच कांग्रेस में वो इच्छा शक्ति या मजबूती नहीं दिख रही है जो इस वक्त दिखनी चाहिए थी। समय का यही तकाजा है। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह सुकून की बात हो सकती है लेकिन लोकतंत्र के लिए नहीं। दुनिया के सबसे मजबूत और विशाल लोकतंत्र की मजबूती के लिए सशक्त विपक्ष जरूरी है। कांग्रेस में अब वो बात दिखती नहीं है और मजबूत होती क्षेत्रीय पार्टियों में नेशनल लीडरशिप को लेकर लड़ाई पहले दिख चुकी है। आगे भी दिखना तय है। जाहिर सभी के एका की सोचना बेमानी होगी।

सच तो यह है कि हर किसी को लगने लगा है कि कांग्रेस किस दिशा में जा रही है और वह भी क्यों और कैसे? इसका जवाब न तो कांग्रेस दे रही है और न ही देने को तैयार दिखती है। परिस्थितियों पर सब कुछ छोड़कर भी कुछ हासिल नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह भी सच है कि यह सब कुछ परिस्थितजन्य भी तो नहीं है। पंजाब के घटनाक्रम के बाद भले ही कोई सा भी कार्ड खेलकर कांग्रेस की सरकार बचा ली गई हो। लेकिन जो कुछ घट रहा है वह तेजी से सब तक पहुंच भी रहा है। लगता भी नहीं कि इससे पार्टी की बची-खुची साख पर बट्टा लगने से बचाया जा सकेगा। अब तो हवा का रुख भांपने के एक से एक तौर तरीके सामने हैं। उसके बाद कांग्रेस में 5 राज्य के चुनावों से 6 महीने पहले लिए गए फैसले जो दिखते कठोर जरूर हैं पर आम मतदाताओं के बीच कौन सा संदेश दे रहे हैं शायद इस पर भी आत्मचिन्तन नहीं किया गया होगा? माना कि जातिगत कार्ड खेलकर कागजों और गणित के कतिपय राजनीतिक फॉर्मूलों से एन्टी-इन्कम्बेन्सी को मात देने की युक्ति की दुहाई भले ही दी जा रही हो पर पंजाब के मतदाताओं पर इसका क्या असर पड़ेगा इसको लेकर चल पड़ी हवा कब आंधी और देखते ही देखते तूफान में बदल जाएगी, कैसे इंकार किया जा सकता है?

कमोवेश राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही यही कुछ घट रहा है। सत्ता का लालच और कुर्सी की होड़ के बीच भले ही शिगूफेबाजी हो, लेकिन नित नई बनती सुर्खियों और सत्ता के भावी बदलाव की झूठी-सच्ची हवाओं से एक स्थिर और आंकड़ों में मजबूत सरकार की चिन्ता बढ़ना अस्वाभाविक नहीं है। निश्चित रूप से ऐसी अटकलबाजियों से सरकार की मजबूती और भविष्य को लेकर कार्य प्रणाली और लेखा-जोखा से भी खास लहर बनती है जो बिना कहे उस सरकार के प्रति धारणा बना देती है। यह भी सच है कि कांग्रेस के पास एक हाथ की उंगलियों पर गिने जाने लायक राज्य बचे हैं। इसी को लेकर जितना अंर्तद्वन्द, खींचतान या सामंजस्य की कवायदें बाहर दिखती हैं वह 136 वर्ष पुराने इस संगठन में कभी दिखी यहां तक कि आपातकाल में भी। अब तो यह भी दावे के साथ नहीं कहा जा सकता है कि कौन किसका सिपहसलार? पार्टी के प्रति निष्ठा के मायने पुराने होते जाते हैं जो गुटों के प्रति निष्ठा

में तेजी से बदल गए हैं। एक पार्टी और गुटों की भरमार का जो सच अब है वह शायद पहले कभी नहीं दिखा। क्षेत्रीय पार्टियों से भी बदतर हालात में कांग्रेस का सच भले ही भाजपा के लिए बूस्टर बनता हो लेकिन लोकतंत्र के लिहाज से इसे अलग नजरिए से देखना ही होगा।

2022 की शुरुआत उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा, मणिपुर यानी पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों से होगी और आधे मार्च बीतते-बीतते नई सरकार सत्तासीन होगी। वहीं साल के अंत में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भी चुनाव होंगे। इन चुनावों में कांग्रेस के लिए चुनौती जीतने से ज्यादा बेहतर करने की होगी। दिनों दिन और नित नए संकटों से गुजर रही इस सबसे बड़ी पुरानी राजनीतिक पार्टी के लिए साख से ज्यादा अस्तित्व का सवाल सामने मंडरा रहा है। एक ओर भले ही कांग्रेस बिखरी हो या कुनबे में एका न दिख रहा हो दूसरी ओर इन राज्यों में किनके दमखम पर उतरा जाएगा यह सबसे बड़ा सवाल है? ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, सुष्मिता देव, प्रियंका चतुर्वेदी अशोक तंवर, ललितेशपति त्रिपाठी जैसे राहुल के करीबियों के चले जाने के बाद नौजवानों के लिए हार्दिक पटेल, कन्हैया कुमार और जिग्नेश मेवानी कितने प्रभावी होंगे यह तो वक्त बताएगा क्योंकि जो गए उनका कांग्रेस से वर्षों का बल्कि कहें पीढ़ियों का नाता रहा। जो आए वह अधिकतर दूसरे घरों से होकर आए हैं। जाहिर है ऐसे दौर में जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर युवाओं की जबरदस्त मौजूदगी रहती है तथा ट्रेन्ड और ट्रोल का जमाना है, युवा जिनके अच्छे खासे वोट हैं और ग्रुप्स हैं, बेलाग और बेबाक राय रखते हैं, किसके साथ होंगे? यह भी भविष्य के गर्त में छुपा सवाल है। इधर धरातल पर कांग्रेस की स्थित भई गति सांप छछूंदर केरी जैसे है। किसको छोड़े, किसको जोड़े? शायद यही वजह है कि चाहे देश हो या प्रदेश, जिला हो शहर या फिर गांव, कांग्रेस में बरसों बरस पुराने चेहरे ही दिखते हैं। जबकि आम जनमानस कांग्रेस में नए, पढ़े-लिखे, टेक्नोक्रेट और आज के युवातुर्पों को देखना चाहता है। शायद इस सच को कांग्रेस स्वीकर नहीं रही है जिस कारण एक तरह से कांग्रेस में नीचे से लेकर ऊपर तक कोई बदलाव दिखता ही नहीं है। ठीक उलट भाजपा और दूसरी तमाम क्षेत्रीय पार्टियां तक इस मनोवैज्ञानिक सच को स्वीकारते हुए प्रयोग भी करते रहते हैं। हाल ही में जहां प्रधानमंत्री मोदी ने कई कैबिनेट मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाया तो गुजरात में रातों रात मुख्यमंत्री बदल गहरा संदेश दिया। उसी तर्ज पर मजबूरी वश ही सही पंजाब में कांग्रेस ने चलने की कोशिश तो की लेकिन होम करते ही हाथ भी जला बैठी। कांग्रेस भी बगावत के बीच बदलाव की कोशिश में दिखती जरूर है, पर क्या खुद को बदल पाएगी? एक धारणा आम और खास यह भी कि 1990 में भारत की आबादी 87.33 करोड़ थी तब युवाओं का झुकाव और बड़ा तबका कांग्रेस के साथ था। आज भारत की आबादी 135 करोड़ पहुंच रही है और युवाओं तथा लोगों का झुकाव 1990 के मुकाबले बेहद कम और न के बराबर है। इस फर्क को या दूरी को कांग्रेस ने क्यों कभी समझने की कोशिश भी नहीं की?

जीवन : परमात्मा का अनमोल उपहार

जीवन परमात्मा का अनमोल उपहार है। यह स्वयं ही इतना दिव्य, पवित्र और परिपूर्ण है कि संसार का कोई भी अभाव इसकी पूर्णता को खंडित करने में असमर्थ है। आवश्यकता यह है कि हम अपने मन की गहराई से अध्ययन कर उसे उत्कृष्टता की दिशा में उन्मुख करें। ईर्ष्या, द्वेष, लोभ एवं अहम के दोषों से मन को विकृत करने के बजाए अपनी जीवनशैली को बदल कर सेवा, सहकार, सौहार्द जैसे गुणों के सहारे मानसिक रोगों से बचा जा सकता है और मानसिक क्षमताओं को विकसित किया जा सकता है। इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य जीवन चार तरह की विशेषताएं लिए रहता है।

इस संबंध में एक श्लोक प्रस्तुत है

बुद्धैय फलं तत्व विचारणंच/देहस्य सारं व्रतधारणं च/वित्तस्य सारं स्किलपात्र दानं/वाच~ फलं प्रतिकरनाराणाम।

अर्थात्- बुद्धि का फल तभी सार्थक होगा, जब उसको पूर्ण विचार करके उस पर अमल करें। शरीर का सार सभी व्रतों को धारण करने से है।

धन तभी सार्थक होगा, जब वह सुपात्र को दान के रूप में मिले और बात या वचन उसी से करें, जब व्यक्ति उस पर अमल करें। इसी का बेहतर तालमेल जीवन में बिठाना होता है। जो बिठा लेता है, वह भवसागर से पार हो जाता है और जो नहीं बिठा पाता वह दुख में पड़ा गोता खाता रहता है। आप जब तक इस गहराई को नहीं समझेंगे, अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकते हैं। जानना यह भी जरूरी है कि हम अपनी हर धड़कन की रफ्तार को समझें।

14 वर्ष नींद-नारी-अनाहारी लक्ष्मणजी

डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता

बंगला रामायण जिसका नाम कृत्तिवास रामायण' है जिसके रचयिता महाकवि सन्त कृत्तिवास है। कृत्तिवास रामायण महाकवि तुलसीदास रचित श्रीरामचरितमानस' से एक शती प्राचीन है। इस रामायण के उत्तरकाण्ड में लक्ष्मणजी की अद्वितीय विशेषताएँ बतलाई गई हैं। सुधीजनों को कृत्तिवास रामायण में लक्ष्मणजी का एक चरित्र अन्य रामायण से हटकर है। अगस्त्य मुनि का निवास दक्षिण में था। वे राक्षसों का सम्पूर्ण वृत्तान्त जानते थे। वे बैठकर सभी सभासदों के मध्य राक्षसों की कथा सुनाने लगे। उन्होंने श्रीरामजी से पूछा कि तुम और लक्ष्मण धनुर्धर हो। बताओ आप लोगों ने किन-किन वीरों के साथ कैसे युद्ध किया। राक्षसगण अगणित थे और यम के समान पराक्रमी भी थे। श्रीराम ने कहा कि मैंने रावण और कुम्भकर्ण का वध किया है। लक्ष्मण ने अतिकाय और इन्द्रजित् का वध किया है। तब अगस्त्य मुनि ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि लंका में सबसे अधिक वीर इन्द्रजित् ही था। उसने इन्द्र को बाँधा और लंका में ले आया। तब ब्रह्मा को आकर इन्द्र को माँगकर ले जाना पड़ा-

मुनि बले, शुन राम, निवेदि तोमारे। इन्द्रजित् बड़ वीर लङ्कार भितरे।

इन्द्रे बान्धि एनेछिल लंकार भितरे। ब्रह्मा आसि मागिया लइल पुरन्दरे।

(बंगला कृत्तिवास रामायण, उत्तरकाण्ड 2-26) इन्द्रजित् जिसका नाम मेघनाद भी था। वह बाण चलाने में निपुण था। वह बादलों के मध्य छिपकर युद्ध करता था। लक्ष्मण ने मेघनाद का वध किया है। अत~ देव लक्ष्मण के समान वीर त्रिभुवन में भी नहीं है। श्रीराम ने कहा कि क्या रावण और कुम्भकर्ण दुर्जेय नहीं थे। न तो देवता और न ही गन्धर्व उनके साथ युद्ध में बराबरी कर सकते थे। मुनिवर आप रावण को छोड़कर इन्द्रजित् को महान बतला रहे हैं। अगस्त्य मुनि ने कहा कि इन्द्रजित् को वही व्यक्ति मार सकता था जो चौदह वर्ष तक अनाहारी रहा हो, जिसने चौदह वर्ष तक किसी महिला का मुँह भी न देखा हो तथा जो चौदह वर्ष तक सोया न हो। श्रीराम ने कहा कि लक्ष्मण चौदह वर्ष तक फल संचय करते थे। मुझे भी देते थे। सीताजी के साथ उसने चौदह वर्ष वन-भ्रमण भी किया। मैं भी उनके साथ रहा। क्या उन्होंने सीता का मुख नहीं देखा? मैं और सीता कुटिया में रहते थे। लक्ष्मण दूसरी कुटिया में रहता था। ऐसे कैसे हो सकता है कि वह सोया नहीं। श्रीराम को ऋषि की बातों पर विश्वास नहीं हुआ। उन्होंने सुमन्त्र से कहा कि लक्ष्मण को शीघ्र सभा में लाया जाए। लक्ष्मणजी माता सुमित्रा की गोद में बैठे थे। लक्ष्मणजी को लगा भगवान वन के दुःखों के बारे में मुझसे चर्चा करेंगे। वे तत्काल श्रीराम के पास आए। श्रीराम ने उन्हें सभा के सम्मुख शपथ दिलवाई और कहा कि हम तीनों चौदह वर्ष साथ रहे हैं। अत~ सभा के समक्ष मैं जो पूछूँ वह सब सत्य बतलाना। तुमने सीता का मुख कैसे नहीं देखा? तुम वन में अकेले जाकर फल लाया करते थे। हमें फल देकर क्या तुम अनाहारी रहते थे? तुम दूसरी कुटिया में रहते थे तो क्या तुम सोये नहीं? लक्ष्मणजी ने राजीव लोचन श्रीराम की तीनों जिज्ञासाओं को उत्तर देकर शान्त किया-

चौद्द वर्ष एकत्र छिलाय तिनजन। केमने सीतार मुख ना देख लक्ष्मण

तुमि फल आनिते राखिया मोरे घरे। फल दिया आपनि कि छिले अनाहारे

बन मध्ये तुमि भिन्न कुटीरेते छिले। चौद्द वर्ष किरुपेते ने निद्रा नाहि गेले

लक्ष्मण बलेन, शुन राजीवलोचन। पापिण्ठ रावण सीता हरिल यरवन

(बंगला कृत्तिवास रामायण, उत्तरकाण्ड 2-36, 37) लक्ष्मणजी ने कहा कि सीताजी के खोज करते समय हम दोनों रो रहे थे। ऋष्यमूक पर्वत पर प्राप्त आभूषणों को दिखाकर आपने सुग्रीव के समक्ष पूछा था कि क्या ये आभूषण सीताजी के हैं तो मैं केवल नुपूर ही पहचान सका था क्योंकि मैं प्रतिदिन उनके चरण वन्दन करता था। उनके श्रीचरणों के अतिरिक्त मैंने उनका मुख नहीं देखा। आप और माँ सीता जिस कुटिया में सोते थे, उस कुटिया के बाहर मैं धनुष बाण लेकर द्वार की रखवाली करता था। मैंने निद्रा देवी को क्रोधित होकर वेध दिया था क्योंकि वह मेरे नयनों को आच्छन्न कर रही थी। मैंने उसे कह दिया था कि जब श्रीराम माता जानकी के साथ सिंहासनारूढ़ होगी तब मैं छत्र धारण कर खड़ा रहूँगा। उसी समय निद्रा मुझे व्याप्त करेगी। आपको स्मरण होगा कि मैं छत्र लेकर खड़ा था।

अवसाद के विरुद्ध जोरदार शंखनाद की आवश्यकता.!

सूडोकु नवताल- 5857

***** कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -5856 का हल

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

विजय कुमार जैन

अवसाद एक ऐसी गंभीर बीमारी है जिसका उपचार दवाओं की अपेक्षा मनोचिकित्सा से संभव है। हमे अगर शुगर उच्च रक्त चाप या पथरी की बीमारी हो जाती है तो इन गंभीर बीमारियों का इलाज दवाओं अथवा शल्य क्रिया से संभव है। अवसाद को अंग्रेज़ी में डिप्रेशन नाम से जाना जाता है। अवसाद का प्रकोप पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं को अधिक होता है। एक सर्वेक्षण के अनुसार दस में से पांच महिलाएं अवसाद ग्रस्त हो सकती है जबकि दस पुरुषों में एक ही पीड़ित होता है। महिलाओं के अवसाद ग्रस्त होने के पीछे मुख्य रूप से स्त्री जन्य कारण बताये जाते है। वर्तमान में हम देख रहे है पुरुषों एवं महिलाओं की अपेक्षा किशोर व युवा ज्यादा तर अवसाद ग्रस्त हो रहे है। अवसाद किस कारण से होता है यह स्पष्ट रूप से नही बताया जा सकता। मगर माना जाता है इसमें अनेक कारणों की मुख्य भूमिका रहती है।हमने उन कारणों को भी जानने का प्रयास किया है।नींद नही आती है या ज्यादा आती है, अकेलापन, वेरोजगारी, वित्तीय समस्या, वैवाहिक या अन्य रिश्तों में खटास, शराब या अन्य नशीली वस्तुओं का सेवन करना, कार्य का अधिक बोझ, भोजन की अनियमितता।अवसाद से पीड़ित व्यक्ति किसी भी काम में अपना ध्यान केन्द्रित नही कर पाता है जो काम वह आसानी से

कर लेता था उस काम को करने में उसे अब कठिनाई है। मोबाइल का रात दिन उपयोग करना भी इसका प्रमुख कारण है। आधुनिक संचार साधन हमारे

लिये जितने उपयोगी है उससे अधिक इनका दुरुपयोग आज की युवा पीढ़ी कर रही है। अचानक लोगों से गुडवाय करने लोगों को फोन करना भी व्यक्ति के असामान्य लक्षण माने जाते है। पढ़ाई का अधिक बोझ भी इसका कारण है। आप अपने को निराश और उदास महसूस कर रहे है या तो आपको भूख नही लग रही है या आप ज्यादा भोजन कर रहे है। आपको ऐसा लगता है आप जीवन से निराश है और आत्महत्या का मन बना रहे है। बहुत ज्यादा अवसाद की वजह से व्यक्ति आत्महत्या करने तक की सोचता है। अवसाद के दौरान व्यक्ति खुद को बिल्कुल असहाय महसूस कर सकता है। और उसे सभी समस्याओं का हल जीवन समाप्त करने में दिखने लगता है। और कोई आत्महत्या करने की बात करता है तो आप मान लें वह डिप्रेशन या अवसाद से ग्रसित है। वर्तमान में पुरुषों, महिलाओं से ज्यादा किशोर जिनकी आयु 12 से 18 वर्ष के बीच होती है ऐसे किशोर अवसाद ग्रस्त ज्यादा मिल रहे है। किशोरावस्था में अत्यधिक चिड़चिड़ापन अवसाद का सबसे बड़ा लक्षण होता है। इस आयु में इस बीमारी से ग्रसित युवक आसानी से क्रोधित हो सकता है । दूसरों से अशोभनीय व्यवहार कर सकता है। वच्चों पर माता पिता द्वारा पढ़ाई के लिये डाला गया अत्यधिक दवाव और दूसरों से स्वंय का आकलन कम करने से भी किशोरों में डिप्रेशन का प्रमुख कारण हो सकता है। राजस्थान के सुप्रसिद्ध नगर कोटा को देश के प्रमुख शिक्षण नगर के रूप में आज जाना जाता है। यहाँ इतने बड़े कोचिंग संस्थान संचालित हैं जिनमें एक लाख तक छात्र छात्राओं को प्रवेश देकर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का विभिन्न विषयों का कोचिंग दिया जाता है। विगत वर्षों कोटा में कोचिंग कर रहे छात्र छात्राओं द्वारा आत्महत्या करने से अनायास ही हमारा ध्यान इस ओर आकृष्ट हुआ है। लगातार एक ही नगर में छात्र छात्राओं द्वारा पढाई करते हुए जीवन से निराश होकर आत्महत्या करने की घटनाओं से पूरे देश ही स्तब्ध हो गया था। जीवन से निराश होकर अवसाद की स्थिति में पहुचे छात्र छात्राएं किशोर अवस्था में थे उन्होंने आत्महत्या करने का निर्णय ले लिया। चार वर्ष पूर्व 2 मार्च 17 को जैनाचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज के प्रिय शिष्य मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज ने इंदरगढ़ जिला बूंदी राजस्थान में जिनवाणी चैनल पर प्रसारित होने बाले जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम में मेरे प्रश्न अवसाद की स्थिति में छात्र छात्राओं द्वारा आत्महत्या किये जाने को कैसे रोके।

प्रो कबड्डी सीजन 8 में पटना पाइरेटस से खेलेगा झुंझुनू का सचिन

रमेश सर्राफ धमोरा

कभी घर वालों से छुप छुप कर हरियाणा तक कबड्डी खेलने जाने वाला सचिन तंवर आज देश में कबड्डी के पांच बड़े खिलाड़ियों में से एक है। राजस्थान में झुंझुनू जिले के बड़बर गांव का सचिन तंवर के लिये कबड्डी खेलना किसी जुनून से कम नहीं है। बचपन में कबड्डी खेलने को लेकर सचिन के इतना जुनून था कि घरवालों को बिना बताये खेलने चले जाता और खेल में जब उसे चोट लग जाती तो भी वह घर आकर किसी को नहीं बताता था। कबड्डी के कारण तो वह 10वीं कक्षा में फेल भी हो गया। लेकिन कबड्डी का जुनून कभी कम नहीं हुआ। इस

आज यही सचिन तंवर देश के पांच सबसे महंगे कबड्डी खिलाड़ियों में शामिल है। झुंझुनू जिले के बड़बर गांव में पले बढ़े सचिन तंवर इस बार प्रो कबड्डी लीग सीजन 8 में पटना पाइरेट्स की ओर से खेलेगा। पटना पाइरेट्स की फ्रेंचाइजी ने 84 लाख रूपए की बोली लगाकर सचिन को खरीदा है। जो ना केवल प्रो कबड्डी में सबसे महंगे पांच खिलाड़ियों में शामिल है। बल्कि पटना की टीम का भी सबसे महंगा खिलाड़ी है। सचिन का परिवार हरियाणा में महेंद्रगढ़ जिले के पाथेड़ा गांव का रहने वाला है। उनकी बुआ की शादी झुंझुनू जिले के बड़बर गांव में हुई थी। सचिन छोटी उम्र से बुआ के पास बड़बर में रहने लगा था। सचिन तंवर बड़बर गांव में ही पला-बढ़ा, यहीं पर पढ़ाई की और फिर कबड्डी खेलने चला गया। सचिन के मामा भी कबड्डी खिलाड़ी रह चुके है। अपने मामा और बड़े भाई को देखकर सचिन की कबड्डी में रुचि बढ़ती गई। वे धीरे-धीरे स्कूल की टीम में और फिर गांव में खेलने लगे। उन्होंने कभी अपने कबड्डी के जुनून को कम नहीं होने दिया। बचपन में स्कूल की प्रतियोगिताओं के साथ-साथ गांव में लगने वाले मेलों में सचिन ने कबड्डी में खूब दांव-पेंच लगाकर विरोधी टीमों को पछाड़ा है। इस दौरान कई बार स्कूल छोड़कर भी सचिन खेलने गया तो कई बार उसे खेलने के दौरान चोट भी लगी। लेकिन उसने अपने कबड्डी के जुनून को कभी कम नहीं होने दिया। सचिन अब प्रो कबड्डी के स्टार प्लेयर हैं। सचिन तंवर अब प्रो कबड्डी का स्टार प्लेयर है। जिसे लेने के लिए ऊंची ऊंची बोली लगती है। सचिन के बुआ का बेटा भाई मोहन ने बताया कि जब सचिन दो साल का था। तभी से उनके पास रहा है। करीब 15 साल तक सचिन को अपने पास रखा। फिर खेलने के लिए जयपुर चला गया।

कार्तिक आर्यन-सारा अली की फिर बनेगी जोड़ी, इम्तियाज अली की फिल्म में फिर मिलेगा काम?

डायरेक्टर इम्तियाज अली जल्द ही पंजाबी सिंगर अमर सिंह चमकीला की बायोपिक बनाने जा रहे हैं. अब अमर सिंह चमकीला के बेटे जयमान ने खुद इस फिल्म के लीड रोल के लिए अपनी पसंद का खुलासा कर दिया है. उन्होंने सारा कार्तिक के नाम पर मुहर लगाई है.

2019 में अपने रियल लाइफ लव एंगल को लेकर चर्चा में रहे कार्तिक आर्यन और सारा अली खान के बीच ब्रेकअप हो चुका है जिसके बाद उनके फैंस काफी दुखी भी हुए थे क्योंकि कहा जा रहा था कि दोनों एक्टर अब एक दूसरे के साथ कभी काम नहीं करेंगे. अब एक बार फिर दोनों के साथ आने की खबर इन दिनों बी टाउन में हॉट टॉपिक बनी हुई है और अगर ये एक्स कपल वाकई फिर साथ में नजर आया तो उनके फैंस के लिए ये किसी गुड न्यूज से कम नहीं है.

खबर है कि डायरेक्टर इम्तियाज अली जल्द ही पंजाबी सिंगर अमर सिंह चमकीला की बायोपिक बनाने जा रहे हैं. पहले फिल्म में लीड रोल के लिए रणबीर कपूर या आयुष्मान खुराना का नाम को लेकर चर्चा थी लेकिन अब अमर सिंह चमकीला के बेटे जयमान ने खुद इस फिल्म के लीड रोल के लिए अपनी पसंद का खुलासा कर दिया है. उन्होंने सारा कार्तिक के नाम पर मुहर लगाई है.

असल में सिंगर के बेटे जयमान ने एक इंटरव्यू में कहा है कि वो अपनी पिता की बायोपिक यूं तो इजाजत दे चुके हैं वैसे तो रणवीर कपूर या आयुष्मान खुराना को इस फिल्म में कास्ट करने की बात सामने रही थी पर जब इम्तियाज अली कार्तिक आर्यन और सारा अली खान के स्केचस लेकर उनके पास आए तो कार्तिक उनके पिता के रोल में परफेक्ट लग रहे थे.उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली लुधियाना आये थे, वह यहां 3-4 घंटे रुके थे.वह मेरे पिताजी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी चाहते थे लेकिन मैं ज्यादा कुछ बता सकता क्योंकि जब उनका निधन हुआ तब मैं महज 4 साल का था. इसलिए कितना मुझे याद है उतना ही बता पाया. वहीं रही बात इस बायोपिक के लिए स्टार कास्ट की तो उन्होंने कार्तिक और सारा के नाम पर सहमति जताई है.हालांकि मेकर्स या कार्तिक-सारा की टीम द्वारा इस फिल्म और इस रोल के लिए अभी तक किसी भी तरह की घोषणा नहीं की गई है पर जिस तरह से जयम्मान ने इस बड़ी बात को जगजाहिर कर ही दिया है तो लगता है तो ये ही है कि एक बार फिर सारा कार्तिक की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री देखने को मिलेगी. आपको बता दें कि अमर सिंह चमकीला एक पंजाबी सिंगर, सॉन्ग राइटर, म्यूजिशन और कंपोजर थे. 8 मार्च 1988 में चमकीला और उनकी पत्नी अमरजोत सहित उनकी टीम के 2 सदस्यों की हत्या कर दी गई थी. उस दौर में अमर सिंह के गानों को खूब पसंद किया जाता था और उनकी अच्छी खासी फैंस फॉलोइंग थी. कहा जाता है कि उनकी पॉपुलैरिटी की वजह से बाकी सिंगर्स ने उन्हें मरवा दिया. हालांकि, उनकी मौत की गुत्थी आज तक नहीं सुलझी।

श्रीराम राघवन ने कैटरीना के साथ सलमान को ऑफर की थी फिल्म मैरी क्रिसमस

काफी समय से मशहूर अभिनेत्री कैटरीना कैफ और साउथ के सुपरस्टार विजय सेतुपति की आगामी फिल्म मैरी क्रिसमस की चर्चा चल रही है। इन दोनों कलाकारों को निर्देशक श्रीराम राघवन की इस फिल्म में देखा जाएगा। अब फिल्म से जुड़ी एक रोचक जानकारी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि कैटरीना के साथ अभिनेता सलमान खान को भी राघवन ने अपनी फिल्म मैरी क्रिसमस ऑफर की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, मैरी क्रिसमस के लिए कैटरीना के साथ सलमान को भी अप्रोच किया गया था। एक सूत्र ने कहा, यह दूसरी बार था, जब राघवन ने सलमान को कोई फिल्म ऑफर की थी। 2015 में बजरंगी भाईजान के बाद राघवन और सलमान ने एक थ्रिलर फिल्म पर काम करने के लिए चर्चा की थी, लेकिन किसी कारणवश आगे बात नहीं बन पाई। मैरी क्रिसमस के लिए राघवन एक बार फिर मिले थे। एक सूत्र ने कहा कि राघवन को लगा कि इस फिल्म के लिए सलमान बिल्कुल मुफीद होंगे। खबरों की मानें तो सलमान और उनकी टीम को लगा कि उनके जैसे सुपरस्टार के लिए यह बहुत छोटी फिल्म है। यही कारण था कि उन्होंने विनम्रतापूर्वक इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। कहा जा रहा है कि सलमान को राघवन का काम पसंद है और वह उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक भी हैं। बताया गया है कि सलमान कोई बड़ी बजट की कमर्शियल फिल्म में राघवन के साथ काम करना चाहते हैं। राघवन को लगा था कि मैरी क्रिसमस के लिए सलमान परफेक्ट हैं। मेरी क्रिसमस के अलावा राघवन अपनी अगली फिल्म इक्कीस को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की शूटिंग फरवरी, 2022 में शुरू हो सकती है। यह फिल्म मिलिट्री अफसर अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है। मैरी क्रिसमस एक शॉर्ट फिल्म से प्रेरित होगी, जिसकी कहानी पुणे शहर के इर्दगिर्द बुनी गई है। राघवन इससे पहले आयुष्मान खुराना अभिनीत अंधाधुन जैसी सफल फिल्म का निर्देशन कर चुके हैं।

बिग बॉस 15: ये शो खुद को साबित करने के लिए उनके लिए सबसे बड़ा मौका: मीशा अय्यर

रियलिटी शो एक्ट्रेस और मॉडल मीशा अय्यर ने स्प्लिट्सविला 12 और ऐस ऑफ स्पेस सीजन 1 जैसे रियलिटी शो में नजर आने के बाद शनिवार को बिग बॉस 15 के घर में प्रवेश किया। वह भारतीय टेलीविजन पर सबसे बड़े रियलिटी शो में प्रवेश को अपने लिए सबसे बड़ा अवसर मानती हैं। मीशा ने कहा कि मुझे आश्चर्य है कि कोई बिग बॉस का हिस्सा क्यों नहीं बनना चाहेगा। मेरे लिए, इस शो का हिस्सा बनने के लिए कॉल आना एक बड़ी बात थी, जिसके लिए मैंने तुरंत हां कर दी थी।

फैशन दिवा के रूप में मीशा की सोशल मीडिया फैन फॉलोइंग काफी है, लेकिन बिग बॉस 15 उनके लिए वह सीढ़ी है जो उन्हें उनके चुने हुए पेशे में ऊपर उठने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि देखिए, हम एक कारण से मनोरंजन उद्योग में हैं। और इसका कारण है बढ़ना और सफलता प्राप्त करना। हम सभी नाम और प्रसिद्धि चाहते हैं। यही कारण है कि हम यहां हैं। मैं झूठ बोलूंगी यदि मैंने कहा कि मैं अनुभव हासिल करने के लिए बिग बॉस में आई थी। मैं यहां और अधिक के लिए हूं। निश्चित रूप से, यह मेरे करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। हालांकि, मीशा ने स्पष्ट किया कि अगर पिछले साल उनके पास प्रस्ताव आया होता तो उन्होंने शो में हिस्सा नहीं लिया होता। उन्होंने कहा कि बिग बॉस मेरे पास सबसे बड़ा अवसर है, अगर इसकी पेशकश मुझे पिछले साल की गई होती, तो मैंने इसे हां नहीं कहा होता क्योंकि मैंने पहले ही एक रियलिटी शो किया था। मैं संतृप्त नहीं होना चाहती थी। इसलिए, जब यह प्रस्ताव एक अंतराल के बाद आया, तो मैंने इसके लिए हां कहा। बिग बॉस विवादों और हाई ड्रामा के लिए जाना जाता है। क्या मीशा क्षेत्र के साथ आने वाली चीजों के लिए तैयार है? उन्होंने आत्मविश्वास से उत्तर दिया और कहा कि मैं एक बात में विश्वास करती हूं, अज्ञात से क्यों डरना। मैं वास्तव में नहीं जानती कि घर के अंदर मेरे साथ क्या होने वाला है। इसलिए मैं ज्यादा नहीं सोच रही हूं। मैं एक बार पुल पार करूंगी। मैं उस तक पहुंच गई हूं, अभी, मुझे मस्ती को खत्म करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। वहीं शो के सुपरस्टार होस्ट सलमान खान इस मस्ती को और बढ़ा देंगे। यह बहुत रोमांचक है। मीशा ने स्वीकार किया कि मैं उनकी फिल्में देख रही हूं, इसलिए उन्हें सामने व्यक्तिगत रूप से देखना वाकई जबरदस्त होने वाला है।

आर माधवन की फिल्म रॉकेट्री की रिलीज डेट जारी, दिखेगा नांबी नारायणन की जिंदगी का सच

अभिनेता आर माधवन की फिल्म रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट लंबे समय से सुर्खियों में है। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है और हो भी क्यों ना, इसके जरिए मशहूर साइंटिस्ट नांबी नारायणन के जीवन की सच्चाई जो दर्शकों के बीच आने वाली है। अब फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। खुद माधवन ने अपनी इस फिल्म की रिलीज का ऐलान किया है। माधवन ने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म का एक पोस्टर साझा किया है। इसे लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने लिखा, हमें यह जानकारी देते हुए बहुत खुशी हो रही है कि फिल्म रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट को अगले साल 1 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज

किया जाएगा। उन्होंने आगे लिखा, हमने इस फिल्म को बहुत प्यार और समर्पण के साथ बनाया है और आपने जो अब तक हमें प्यार दिया है, उसके लिए मैं आप सभी का आभारी हूं। माधवन ना सिर्फ इस फिल्म में एक्टिंग कर रहे हैं, बल्कि उन्होंने इस फिल्म की कहानी भी लिखी है और इसके निर्माता-निर्देशक भी माधवन ही हैं। 1 अप्रैल, 2021 को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जो दर्शकों को बेहद पसंद आया था। एक्शन से भरपूर इस ट्रेलर में आर माधवन का एक अलग अंदाज दिखा था। ट्रेलर में उनके डायलॉग भी शानदार थे। इस फिल्म की शूटिंग भारत, जॉर्जिया, रूस और फ्रांस जैसे देशों में की गई है।

फिल्म रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट छह भाषाओं हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में एकसाथ रिलीज की जाएगी। फिल्म में माधवन ने नांबी नारायणन की भूमिका निभाई है।

यशराज फिल्म्स की पहली वेब सीरीज में दिखेंगे इरफान के बेटे बाबिल खान

दिवंगत अभिनेता इरफान खान ने अपने अभिनय और अंदाज से लाखों को मुरीद बनाया था। इरफान के निधन के बाद प्रशंसकों को उनके बेटे बाबिल खान से काफी उम्मीदें हैं। वह अपनी डेब्यू फिल्म काला को लेकर चर्चा में हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि बाबिल यशराज फिल्म्स के प्रोडक्शन में बनने वाली पहली वेब सीरीज में नजर आएंगे। हाल में खबर आई थी कि आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स ओटीटी मार्केट में कदम रखने वाली है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यशराज फिल्म्स की पहली बेब सीरीज में बाबिल अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। एक सूत्र ने कहा कि यह एक इन्वेस्टिगेटिंग थ्रिलर होगी, जिसमें बाबिल लीड रोल निभाएंगे। इस सीरीज का शीर्षक अभी निर्धारित नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि यह एक पांच एपिसोड वाली मिनी सीरीज होगी, जो भोपाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। नवंबर में इस सीरीज की शूटिंग शुरू होगी। खबरों की मानें तो फिल्ममेकर शिव रवैल इस सीरीज का निर्देशन करेंगे। शिव महान फिल्ममेकर एचएस रवैल के पोते हैं। शिव के पिता का नाम राहुल रैवल है, जो इंडस्ट्री के चर्चित निर्देशन माने जाते हैं। इस थ्रिलर सीरीज के साथ भारत की 50 साल पुरानी प्रोडक्शन कंपनी यशराज फिल्म्स डिजिटल की दुनिया में कदम रखने वाली है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस सीरीज का प्रसारण किस स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर होगा। दिलचस्प है कि शिव इस सीरीज से निर्देशन की दुनिया में कदम रखने वाले हैं। इससे पहले खबरें आई थीं कि वह यशराज फिल्म्स की बड़ी स्केल वाली फिल्म से डेब्यू करेंगे। इस फिल्म में अजय देवगन, अहान पांडे और मानुषी छिल्लर नजर आने वाली थीं। हालांकि, अब माना जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट को मौजूदा हालात को देखते हुए अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है।

साड़ी में श्रद्धा दास ने दिखाई अपनी चिकनी कमर, वायरल हुआ फोटो शूट

तमिल तेलुगु और हिंदी जैसी अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री श्रद्धा दास आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है . बता दें कि वह अपनी फिल्मों से ज्यादा बोल्ड तस्वीरों को लेकर इंटरनेट पर छाई रहती है और वह हमेशा अपने बोल्ड अवतार से इंटरनेट पर तहलका मचा देती है और इनकी खूबसूरत तस्वीरों को लोगों के बीच काफी पसंद किया जाता है . हाल ही में इस अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की है जिसमें वह साड़ी पहने हुए नजर आ रही है आप इन तस्वीरों में देख सकते हो कि वह काफी हॉट लग रही है इन तस्वीरों में श्रद्धा दास अपनी चिकनी कमर दिखाते हुए नजर आ रही है और इनकी फिगर वाकई में लाजवाब है श्रद्धा दस एक भारतीय फिल्म एक्ट्रेस हैं, जो मुख्य तौर से तेलुगु,हिंदी,मलयालम, कन्नडा और बंगाली फिल्मों में सक्रिय हैं। श्रद्धा दास ने एक्टिंग की दुनिया में डेब्यू वर्ष 2008 में तेलुगु फिल्म सिद्दू फ्रॉम सिककुलम से किया था, इस फिल्म में उन्होंने लीफ एक्ट्रेस की की कजिन बहन की भूमिका अदा की थी। पहली फिल्म के दौरान उन्हें काफी निराशा हाथ लगी, हालांकि बाद में उन्होंने कुछ अच्छी फिल्मे साइन की, जिसमे 20 लव स्टोरी, डायरी, आर्या 2 आदि फ़िल्में शामिल थी। वर्ष 2010 में श्रद्धा ने हिंदी सिनेमा में अपना एक्टिंग डेब्यू फिल्म लाहोर से किया।यह फिल्म भारत-पाकिस्तान के रिश्तों पर आधारित फिल्म थी, इस फिल्म को काफी सराहना मिली। वर्ष 2014 में श्रद्धा ने बंगाली सिनेमा में फिल्म द रॉयल बंगाल टाइगर से डेब्यू किया, इसके बाद वह अन्य दो हिंदी फिल्मों में नजर आयीं।

स्वस्थ रहने के लिए ओरल हेल्थ क्यों जरूरी है?

हम सभी अच्छी तरह से जानते हैं स्वस्थ रहने के लिए मुंह में साफ सफाई रखना बहुत जरूरी है. हम सभी को बचपन से सिखाया जाता है कि पूरे दिन में दो बार ब्रश जरूर करना चाहिए. ऐसा करने से मुंह के कीटाणु फैलते नहीं है. दांतों के साथ- साथ जींभ की सफाई करना भी बहुत जरूरी है. रिपोर्ट के मुताबिक पूरी दुनिया में 350 करोड़ लोग मुंह से जुड़ी परेशानियों से पीड़ित हैं जिसमें 230 करोड़ लोगों को दांतों में सड़न की दिक्कत हैं. विशेषज्ञों के मुताबिक हर व्यक्ति को सालभर में एक बार डेंटल चेकअप जरूर करवाना चाहिए. आइए जानते हैं डेंटल चेकअप स्वास्थ्य के लिए क्यों जरूरी होता है. इसके बारे में जानते हैं।

दांतों को टूटने से बचाता है

दांतों की सही तरीके से देखभाल नहीं करने की वजह से मसूड़ों में सड़न और इंफेक्शन का खतरा हो सकता है. दांतों में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं और सही समय में इलाज नहीं करवाने पर दांतों को उखाड़ना पड़ सकता है. इसके अलावा सूजन और दर्द भी हो सकता है.

दांतों की सड़न को रोकता है

नियमित रूप से डेंटल चेकअप कराने से दांतों में सड़न नहीं होती है. दांतों की सड़न की वजह से कई तरह की समस्याएं हो सकती है. अगर इसे समय रहते ठीक नहीं किया गया तो आपके दांत खराब हो सकते हैं.

कैविटी से बचाता है

कुछ लोगों के दांतों में आसानी से कैविटी लग जाती है. अगर आप नियमित रूप से डेंटल चेकअप करवाते हैं तो आसनी से रोक सकते हैं. दांतों को हमेशा साफ रखने से मुंह के बैक्टीरियां को दूर रख सकते हैं.

आत्मविश्वास बढ़ता है

साफ- सफाई रखने से दांत चमकते रहते हैं जो आपकी मुस्कान में चार चांद लगाने का काम करता है. साथ ही आपके आत्मविश्वास को भी बढ़ाने में मदद करता है.

मसूड़ों के इंफेक्शन को दूर रखता है

मुंह को साफ रखने से मसूड़ों के इंफेक्शन के खतरे को कम किया जा सकता है. अगर समय रहते मुंह के बैक्टीरियां को नहीं हटाया गया तो समस्यां गंभीर बीमारी का रूप ले सकती है. मुंह की साफ- सफाई नहीं रखने से ओरल कैंसर का जोखिम बढ़ता है. इसलिए ओरल हेल्थ का खयाल रखना बहुत जरूरी है।

साड़ी लुक को मॉडर्न बनाने के लिए ट्राई करें पेपलम ब्लाउज

आजकल एथनिक वियर को भी मॉडर्न तरीके से कैरी करने का फैशन है. ऐसे में पेपलम ब्लाउज आपके लिए बेस्ट हैं. इनको साड़ी या लहंगे के साथ आसानी से कैरी किया जा सकता है. ये देखने में बहुत स्टाइलिश लगते हैं. साड़ी को मॉडर्न लुक देने के लिए आजकल पेपलम ब्लाउज काफी पसंद किया जा रहा है. इसमें कमर या उसके आस पास के हिस्से पर फ्रिल या झालर का प्रयोग किया जाता है. लंबाई में ये सामान्य ब्लाउज से थोड़े लंबे होते हैं. पेपलम ब्लाउज को सिर्फ साड़ी ही नहीं बल्कि लहंगे के साथ भी पहना जा सकता है. ये देखने में काफी स्टाइलिश लगते हैं और आपको दूसरों से अलग लुक देते हैं. नॉर्मल ब्लाउज की तरह आप पेपलम ब्लाउज के डिजायन में भी काफी एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं. इसके गले और बाजुओं को पसंदीदा डिजायन में बनवा सकती हैं. क्रॉस पैटर्न के साथ वी नेक के पेपलम ब्लाउज किसी भी लहंगे या साड़ी पर बहुत यूनिक लुक देते हैं. आप शॉर्ट नेक गले पर कारीगरी वाला ब्लाउज किसी सिंपल साड़ी या लहंगे पर भी पहन सकती हैं. ये भी अपने आप में बेहद खूबसूरत लुक देगा।

वन-टू-वन

थाना महुआ पुलिस द्वारा एक आरोपी को 315 बोर के कट्टे व राउण्ड के साथ किया गिरफ्तार...

दैनिक पुष्पांजली टुडे

महुआ। पुलिस अधीक्षक ललित कुमार शाक्यवार द्वारा सम्पूर्ण जिले में इनदिनों अबैध शराब एवं अबैध हथियार की कार्यबाही हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत श्रीमान अति. पुलिस अधीक्षक रायसिंह नरवरिया एवं एस.डी.ओ.पी. अम्बाह अशोक सिंह जादौन के दिशा निर्देशन में थाना महुआ पुलिस द्वारा आज दिनांक 08.10.21 को दौराने वारंटी तामील के मुखबिर की सूचना पर से ग्राम पालि हनुमान जी के मंदिर के पास एक आरोपी को 315 बोर के देशी कट्टे व राउण्ड के साथ गिरफ्तार किया गया है। उक्त आरोपी के विरूद्ध थाना महुआ पर अपराध क्र 136/21 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्यबाही में थाना प्रभारी महुआ पारथ सिह परिहार, सउनि जे.पी. शर्मा, सउनि श्रीकृष्ण थापक, प्र0आर0 सियाराम, प्र0आर0 प्रमोद शर्मा, आर0 कप्तान सिंह, आर0 कौशलेन्द्र बौहरे का सराहनीय योगदान रहा।

महाविद्यालय खैरलांजी में मद्य निषेध सप्ताह कार्यक्रम संपन्न

रितेश कटरे ब्युरी चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

बालाघाट । उच्च शिक्षा विभाग के आदेश अनुसार जिले के वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी मे महात्मा गांधी की 152 वी जयंती 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक मदय निषेध सप्ताह के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय मे मद्य निषेध जागरूकता हेतु विविध कार्यक्रमों में निबंध प्रतियोगिता आयोजित कर प्रथम,द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। साथ ही मद्य निषेध जागरूकता हेतु एक रैली निकाली गई ,जिसमें प्रभारी प्राचार्य डॉ उमेश कुशवाह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया । एन एस एस के छात्र छात्राओं ने घर घर जाकर नशे के दुष्परिणाम के बारे में लोगों को अवगत कराया। इस कार्यक्रम का आयोजक एन एस एस अधिकारी अशोक टैंभूर्णी, क्रीडा अधिकारी नवीन कोरट द्वारा इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ.सौरभ सामंत, पूनम गुप्ता, वीरेंद्र पटले , सुनील कुमार देवारे, एवं समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

अम्बाह अनुभाग में चलेगा राजस्व अभिलेख शुद्धिकरण अभियान...एसडीएम राजीव समाधिया

एसडीएम राजीव समाधिया ने दोनो तहसीलों के राजस्व कर्मचारियों को दिए निर्देश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

अम्बाह । एसडीएम राजीव समाधिया द्वारा तहसील अम्बाह और पोरसा के राजस्व अधिकारियों, राजस्व निरीक्षक और पतवरियो की मीटिंग जनपद पंचायत अम्बाह के मीटिंग हाल में ली गई।जिनमे सभी कर्मचारियों को राजस्व रिकॉर्ड में हुई त्रुटियों, अमल से छुटी हुई नामांतरण पंजियो, छुटे हुए सर्वे नंबरो, रिक्त सर्वे नंबरो, फौती नामांतरण का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए।राजस्व रिकॉर्ड में हुई इन त्रुटियों के कारण कई कृषक सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, ऋण पुस्तिका, खाद, उपार्जन आदि का फायदा नहीं ले पा रहे है।इसी तारतम्य में प्रदेश सरकार द्वारा 01 नवंबर से 15 नवंबर तक राजस्व पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है।राजस्व पखवाड़े में किये जाने वाले सभी कार्यो से अनुविभागीय अधिकारी द्वारा तहसील अम्बाह और पोरसा के सभी पतवरियो को अवगत कराया गया।साथ ही सभी कार्यों को निर्धारित समय में करने के निर्देश दिए गए।मीटिंग में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की विस्तृत समीक्षा की गई।अनुविभागीय अधिकारी राजीव समाधिया द्वारा सख्त निर्देश दिये गए कि कोई भी कृषक इन योजनाओं का लाभ लेने से वंचित ना रहे।मीटिंग से अनुपस्थित रहने वाले 5 पतवरियो का 15 दिवस का वेतन और 2 वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश अनुविभागीय अधिकारी द्वारा तहसीलदारों को दिए गए।साथ ही अन्य कर्मचारियों को चेतावनी दी गई कि यदि कार्य समय सीमा में पूरा नही हुआ तो उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जयगी।मीटिंग में राजस्व विभाग के पटवारी, राजस्व निरीक्षक, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सभी उपस्थित थे।

उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी प्रचंड बहुमत के साथ जीत प्राप्त करेंगे: लाल सिंह आर्य

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

(भाजपा कार्यकर्ताओं ने लाल सिंह आर्य को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में स्थाई आमंत्रित, सदस्य बनाए जाने पर विद्यावती स्कूल परिसर में अगुवानी कर किया स्वागत)

भिण्ड । भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वर्तमान में नियुक्त हुए पार्टी में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के स्थाई आमंत्रित सदस्य बनने के प्रथम नगर आगमन पर लाल सिंह आर्य ने कहा कि मध्य प्रदेश के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी प्रचंड बहुमत के साथ लोकसभा और विधानसभाओं में जीत हासिल कर आएंगे ।कांग्रेस से जनता का विश्वास हट चुका है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के विकास जन कल्याण योजनाओं को लेकर पार्टी के कार्यकर्ता जनता के बीच जाएंगे 7 यह बात उन्होंने अपने नगर आगमन पर विद्यावती स्कूल परिसर में पार्टी कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए व्यक्त किए ।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य आर्य ने कहा कि कांग्रेश नेता दिग्विजय सिंह, कमलनाथ,सोनिया गांधी,राहुल गांधी ने जिस प्रकार 18 के विधानसभा चुनाव में किसानों से झूठ बोलकर सरकार बनाई थी और एक भी किसान का कर्जा माफ नहीं हुआ। उन्होंने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर किसान आंदोलन पर कहा कि यह कांग्रेश सपा और बसपा और राष्ट्र विरोधी राजनीतिक दलों ने उत्तर प्रदेश में होने जा रहे आगामी 2022 के विधानसभा चुनाव में राजनीतिक षड्यंत्र रचाया और उन्होंने अपनी जिद मानसिकता को प्रदर्शित किया योगी सरकार ने मृतक परिवार जनों को सहायता राशि भी उपलब्ध कराई है लेकिन प्रियंका गांधी,अखिलेश यादव और सपा नेता इस आंदोलन को राजनीतिक रूप देने के लिए जनता को झूठा भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश की जनता के साथ खड़ी है ।

उन्होंने कहा कांग्रेस के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा ना कोई नीति बची और ना ही उनके पास संगठन बचा सत्ता को सत्ता प्राप्त करने के लिए यह राजनीतिक दल बौखला गए हैं ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य का विद्यावती स्कूल परिसर में वन खंडेश्वर मंडल महाराणा प्रताप मंडल सुभाष मंडल के संयुक्त कार्यकर्ताओं ने पुष्पा हार पहना कर उनकी अगुवानी करते हुए स्वागत किया वहीं जिला उपाध्यक्ष अमित दुबे जिला महामंत्री सत्येंद्र सिंह भदौरिया उनकी अगुवानी कीद्य, पूर्व मंत्री आर भिंड शहर के शोकाकुल परिवारों के बीच भी पहुंचे जहां उन्होंने शोक संवेदना कर मृतक परिवारजनों को ढांढस बंधाकर ईश्वर से आत्म शांति की प्रार्थना की ।इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह गुर्जर जिला महामंत्री अनिल सिंह कुशवाह,उपेंद्र राजौरिया,वीरेंद्र झा मंडल अध्यक्ष अमित जैन,रवि बाजपेई रक्षपाल सिंह कुशवाह,वीरेंद्र ओझा, आकाश पुरोहित कमल सिंह तोमर, मनोज अनंत,बजरंग सिंह भदोरिया आकाश शर्मा प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

दम तोड़ती सरकारी योजना मल्हारगढ़ तहसील में आंगनबाड़ी केंद्रों पर नही मिल रहा है सूखा राशन ओर ना ही मिल रहा है भोजन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मल्हारगढ़। ग्राम पंचायतो में जहाँ आंगनबाड़ियों की स्थिति ऐसी है कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को शासन के द्वारा पोषक आहार ओर सुबह नाश्ता ओर दिन में भोजन नही मिल रहा है और शिवराजसिंह सरकार द्वारा अन्य योजनाओं के तहत उन्हें लाभ पहुंचाने के लिए योजनाएं चल रही हैं ओर तो गरीब उन बच्चों को कैसे सरकारी योजनाओं का लाभ नही मिल पाता होगा। आपको बता दे कि ग्रामीण क्षेत्रो में बच्चे को पोषक आहार नहीं मीलता? ओर ना ही उन्होंने खाना दीया जाता हे आंगनबाड़ी केंद्र से बच्चे बीना खाना खाये वापस अपने घर लौट जाते हैं ओर कही ना कही तो आंगनबाड़ी केंद्र पर लगे रहते है ताले ओर ना ही अधिकारी निकलते है अपने ऑफिस से बाहर ओर ना ही कभी आंगनबाड़ी केद्रो का किया निरक्षण ओर कहि कहि तो आंगनबाड़ी सहायक भी आंगनबाड़ी केंद्रों पर नजर नही आती है शासन की ओर से भोजन की व्यवस्था है पर धरातल पर कोई और दूसरे नजारा देखने को मिल रहा है यहां आंगनबाड़ी केंद्र की सूपरवाईजर कभी चेक करने नहीं आती है इसी से शासन को चूना लगाया जा रहा है आंगनबाड़ी के भोजन खाने को लेकर लगतै है मोटै मोटे बील एवं भूगतान होता है रसोये कै खाते में कभी कभी पैसे आते है लेकीन कही कही जगह पर ही दीया जाता हे खाना बाकी तो सब दूर ही सूपरवाईजर की अनदीखी कै कारण आंगनबाड़ी केंद्र फाईलों में तो 20 से 22 बच्चे के नाम चल रहे पर हकीकत में देखा जायेतो आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चे भी नहीं देखे जायेगै। समाचार लगाने के बाद में सूपरवाईजर भी इन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को बोल देतै है कि आज चैक करने आयेगै सब अच्छा रखना बच्चों को फीर मोहले से है कूछ समय कै लिए किराये से जबरदस्ती लाया जाता है ओर आंगनबाड़ी केंद्रों पर बैठाया जाता है छोटे छोटे बच्चों को ताकि कुछ बोल ना सके बच्चे , अगर बड़े बच्चे को लाते है तो बडे बच्चे इनका भांटा ना फोड़ दे इस लिए नन्हे छोटे बच्चों को बैठाया जाता है आंगनबाड़ी संचालिका को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। संचालिका द्वारा खुलेआम प्रशासनिक अमले को चुनौती देती हैं कि मेरा कौन क्या बिगाड़ लेगा कोई भी ।अब देखना यह होगा की प्रशासनिक अमला इस पर किस तरह की कार्रवाई करती है क्योंकि शासन की योजनाओं ऐसे आंगनबाड़ी केंद्र पर दम तोड़ती नजर आ रही है।

कम्पाउडिंग हेतु समस्त जोनल कार्यालय पर लगाए शिविर

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे
9826576206

(शिविर में कंपाउंडिंग से संबंधित समस्त जानकारी दी जावेगी,नागरिक कंपाउंडिंग के लिए आवेदन भी कर सकते हैं)

इंदौर।आयुक्त सुश्री प्रतिभा के निर्देश के क्रम में कंपाउंडिंग हेतु निगम के समस्त जोनल कार्यालय पर शिविर लगाए गए हैं जिसमें शासन द्वारा मध्य प्रदेश भूमि विकास नियम 2012 के नियम 21 के उपनियमो में वर्गीकृत क्षेत्रो हेतु विभिन्न उपयोग के लिये निर्मित भवनो में 30 प्रतिशत की अधिकतम सीमा तक नियम/ शर्तो के अधीन नियमानुसार निर्धारित प्रशमन शुल्क लेकर अनाधिकृत निर्माण का कम्पाडिंग करने के संबंध में नियम में संशोधन किया गया है ,शासन के उक्त निर्णय से ऐसे नागरिक जिनके द्वारा शासन के नियम/शर्तो में आते है उनके अनाधिकृत निर्माण को वैध करा सके व नियम संशोधन का नागरिक लाभ ले सके, इस हेतु झोन पर कैम्प लगावे तथा उक्त नियमो के अंतर्गत आने वाले भवनो को नियमानुसार कम्पाउडिंग की प्रक्रिया पूर्ण करे। इसके लिये आज दिनांक 8 अक्टुबर 2021 को समस्त जोनल कार्यालय पर कैम्प लगाए गए हैं कैम्प में आने वाले नागरिको से किस प्रकार से आवेदन लिया जाना है और आवेदन के साथ क्यां-क्यां दस्तावेज संलग्न किये जाना है।

बढ़ते अपराधों का प्रमुख कारण नशीले पदार्थों का सेवन : डॉ अरविंद यादव

राकेश परिहार रिपोर्टर
पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी । मद्य निषेध सप्ताह गांधी जयंती आजादी का अमृत महोत्सव व ह्य1ष्द्ह्य के संयुक्त तत्वधान में शासकीय छत्रसाल महाविद्यालय पिछोर जिला शिवपुरी में ,, पादप द्रव्य व्यसन और गांधी जी के विचार विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ अरविंद यादव ने कहा कि समाज में बढ़ते अपराधों का प्रमुख कारण नशीले पदार्थों का सेवन है वहीं विशिष्ट वक्ताओं में भावना भटनागर एवं डॉक्टर जगदीश आर्य समेत सभी नैन नशीले पदार्थों के सेवन की दुष्प्रभाव तथा इससे परिवार समाज ने बड़ रहे अपराधों की विस्तृत जानकारी दी एवं उसके समाधान हेतु गांधी जयंती द्वारा दी गई शीख को से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉक्टर करण सिंह जाटव द्वारा किया गया।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद श्योपुर द्वारा कोरोना वालेंटियर्स का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया

विनोद पाठक ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

श्योपुर – आज जिला पंचायत सभागार में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा श्योपुर जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कोरोना वालेंटियर्स का सम्मान किया गया श्योपुर जिले के युवाओं द्वारा वेश्विक महामारी कोविड - 19 के नियंत्रण हेतु कोरोना वालेंटियर अभियान के अंतर्गत कोरोना वालेंटियर के रुप में माह अप्रेल से सितम्बर तक जिले के अनेक वालेंटियर्स ने दीवार लेखन, मास्क वितरण, वेक्सीन केंद्र तक लोगों को लाना, जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराना, गांव के लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक करना, घर घर जाकर वेक्सीन लगवाने के लिए लोगों को प्रेरित करना एवं अन्य बहुत से कार्य हेतु आज जिला पंचायत सभागार में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं सम्मानीय मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कविता मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र जाट, संभाग समन्वयक मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद धर्मेंद्र सिसौदिया, जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह, ब्लॉक समन्वयक नीतू सिंह, प्रोफेसर डॉ ओ पी शर्मा, प्रोफेसर अरविंद कुमार दोहरे, प्रोफेसर महाराज सिंह धाकड़, प्रोफेसर लक्ष्मी कांत राय, समाज सेविका अंजना मारवाड़ी, रोशन गर्ग, फेमली हेल्थ इंडिया से आकाश व्यास, द्वारा कोरोना वालेंटियर्स ऋतू प्रजापति, रवीना शर्मा, विनोद पाठक, अफसार अहमद, देवेंद्र शर्मा, राजा खान, अविनाश माहौर, राजेश मीणा, नंदकिशोर जाटव, सुमिन्दर कौर आदि को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानीत किया गया!

मघ निषेध सप्ताह के अंतर्गत समस्त थानों के माध्यम से समाज में नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

(मद्य निषेध सप्ताह के अंतर्गत जिले के समस्त थानों के माध्यम से समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति एवं उसके दुष्परिणामों से युवाओं, विद्यार्थियों एवं समाज को अवगत कराने व नशे की रोकथाम हेतु कार्यशाला आयोजित)

भिण्ड। पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय भोपाल म.प्र. के आदेशानुसार नशामुक्त भारत अभियान के तहत महात्मा गांधी जी की जयंती पर दिनांक 02 अक्टूबर 2021 से दिनांक 08 अक्टूबर 2021 तक ÷मद्य निषेध सप्ताह÷ मनाये जाने के क्रम में, जिले के पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिह (भा.पु.से.) के निर्देशन में जिले के समस्त थानों के माध्यम से समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति एवं उसके दुष्परिणामों से युवाओं, विद्यार्थियों एवं समाज को अवगत कराने व नशे की रोकथाम हेतु जनजागृति अभियान से चेतना के निर्माण बावत् स्वयंसेवकों सामाजिक संस्थाओं एवं स्कूल/कॉलेज के विद्यार्थियों को वॉलिन्टियर बनाते हुए सभी थाना, चौकी, बीट के पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण को सुपरवाईजरी वॉलिन्टियर बनाकर मद्य निषेध सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में जनजागरण अभियान, नशामुक्ति रैली, प्रश्नमंच, संवाद, व्याख्यानमाला, नशामुक्ति साहित्य, पेम्पलेट, पोस्टर निर्माण व वितरण, स्लोगन, बैनर प्रदर्शन एवं प्रदर्शनी आदि के कार्यक्रम पूरे जिले में स्कूल/कॉलेजों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से आयोजित किये गये। इसी क्रम में आज पुलिस लाइन भिण्ड के सामुदायिक भवन में मुख्यालय पुलिस के अधिकारी/कर्मचारीगण की उपस्थिति में मद्य निषेध सप्ताह से संबंधित पोस्टर, बैनर एवं पेम्पलेट, प्रदर्शनी लगायी जाकर एक कार्यशाला/परिचर्चा आयोजित की गई, जिसमें शराब एवं अन्य नशों के संबंध में विद्वान वक्तागण श्री इकबाल अली, व्याख्याता चौधरी दिलीप सिंह कन्या महाविद्यालय भिण्ड एवं समाजसेवी सुनील दुबे, अध्यक्ष चौधरी रूपनारायण समाजसेवी संस्था द्वारा विस्तार से प्रकाश डाला गया, जिसमें शराब की लत एवं अन्य नशों की शुरूआती प्रवृत्ति एवं उसके दीर्घकालीन दुष्परिणामों तथा निदान के उपाय व उपचारों की व्याख्या की गई। कार्यशाला में यातायात थाना के सउनि. संतोष अवस्थी द्वारा नशे के प्रभावों को दर्शाते हुए संदेशात्मक कवितापाठ किया गया। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक श्रीमती रजनी सिंह गुर्जर द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित रहकर उसकी व्यवस्थाओं को संभालते हुए अपने विचार व्यक्त करने के साथ-साथ पुलिस बल को भी नशे से दूर रहने की नसीहत देकर अतिथि वक्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

सीरवी समाज की होनहार प्रतिभा का राजस्थान के पाली जिले की देसूरी तहसील के गिराली गांव में हुआ बहुमान

दैनिक पुष्पांजली टुडे

पाली –हाल ही में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में सीरवी समाज की तीन प्रतिभाओ का ढ्ढस् में चयन हुआ। जिसमे डॉ. प्रकाश सीरवी का गांव गिराली के 36 कौम सहित सीरवी समाज व सीरवी समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा भव्य सम्मान किया गया। कार्यक्रम का

आयोजन डॉ. प्रकाश के ससुर लच्छाराम व सुरेश सीरवी द्वारा किया गया। जिसमें 36कौम सहित समाज के विभिन्न गांवों के पंच गण सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।डॉ. प्रकाश ने अपने भाषण में समाज सहित 36 कौम की शिक्षित युवा पीढ़ी को ढ्ढस् व ऋस् जैसी परीक्षा में भाग लेने से लेकर सफलता हासिल करने तक की बात बताते हुए हर सम्भव उनके साथ खडे रहने की बात की। तथा सभी का आभार व्यक्त किया। ललिता निपल ने अपने भाषण में मातृशक्ति के रूप में बालिका शिक्षा पर जोर दिया।मंच संचालन घीसाराम बिजोवा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सीरवी जागृति संस्था के अध्यक्ष पुखराज वर्फा सहित सम्पूर्ण कार्यकारिणी , आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति गेनाराम सोलंकी बाली सहित समस्त कार्यकारिणी शिक्षाविद् ओटाराम परमार बाली , नेनाराम काग बाली, मूलाराम गेहलोत बाली, मांगीलाल सिंदरा बंधु ने अपने भाषण में आगंतुक सभी मेहमानों का सम्पूर्ण गांव की ओर से आभार व्यक्त किया।

राजनैतिक षड्यंत्रो में उलझा मंडी भूमि अधिग्रहण

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

दबोह। नगर में नवीन गल्लामंडी परिसर के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए एक लंबे अरसे से मध्यप्रदेश मंडी बोर्ड एवं भूमि स्वामी के बीच खींच तानी चली आ रही है जबकि भूमि स्वामी मंडी परिसर के लिए भूमि देने के लिए पहले भी तैयार था और आज भी तैयार है लेकिन कुछ राजननैतिक स्वार्थ के चलते भूमि स्वामी और मंडी बोर्ड के बीच 1974 में यह प्रकरण न्यायालय में पहुँच गया था लेकिन तब से आज तक मंडी बोर्ड एवं भूमि स्वामी के बीच न्यायिक लड़ाई जारी है यहा बता दे कि दबोह में पतारा बाग के नाम से प्रसिद्ध स्थल है जहाँ राजनीतिक षड्यंत्रो के चलते पतारा बाग की भूमि को सरकारी जमीन बता कर मंडी बोर्ड दबोह उपमंडी के लिए अधिग्रहण करना चाहती है जबकि न्यायालय के द्वारा भूमि स्वामी महंत सरमन दास के दत्तक पुत्र अमरदेव को पूरी भूमि का स्वामी बना चुकी है भूमि स्वामी के पुत्र गोपाल कृष्ण ने बताया कि मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक ने अपने विभागीय अधिकारियों एवं स्थानीय जिलाधीश को उक्त भूमि में फलदार वृक्ष खड़े होने के कारण मंडी नही बनाने एवं मंडी के लिए दूसरी शासकीय अथवा निजी भूमि देख कर उसका प्रस्ताव भेजने के लिए आदेशित किया गया था इस पर आज भी मंडी निर्माण के लिए भूमि स्वामी अपनी निजी खाते में से भूमि देने के लिए तैयार है जिसके एवज में क्षेत्रीय भाजपा नेता एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य के नेतृत्व में तीन सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने पूरे प्रकरण को माननीय केंद्रीय ज्योतिरादित्य सिंधिया से मिला और उनको इस प्रकरण की पूरी जानकारी देकर अपनी निजी भूमि मंडी निर्माण के लिए देने की बात रखी जिस पर माननीय सिंधिया जी ने कृषि मंत्री कमल पटेल से दूरभाष पर चर्चा कर एवं लिखित पत्रचार्य कर नियमानुसार कार्यवाही करने के लिए अवगत कराया एक समय था कि इस पतारे बाग में देश के माने हुए फूल खिलते थे वही इसमें देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जब केंद्र में शिक्षा मंत्री हुआ करती थी तब यहा आ चुकी है लेकिन अब स्वार्थी लोगो के चलते इस पतारे बाग को निस्तनाबूत करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है।

इनका कहना

मैं मंडी निर्माण के लिए अपनी स्वयं की भूमि देने के लिए तैयार हूँ चूंकि जिस जमीन के मांग के लिए राजनीतिक षड्यंत्र रचे जा रहे है उसके लिए मंडी बोर्ड मना कर चुकी है।फिलहाल तो यहां बता दें कि कॉग्रेस शासन में पूर्व मंत्री रहे लहार विधायक डॉक्टर गोविंद सिंह 09 अक्टूबर को दबोह के स्थानीय विश्राम गृह पर मंडी की जमीन को लेकर सर्वदलीय बैठक बुला रहे हैं।

गोपाल कृष्ण
भूमिस्वामी

वन-टू-वन

स्कूल शिक्षा विभाग ने की दीवाली-दशहरे की छुटटी की घोषणा

भोपाल। प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग ने की दीवाली-दशहरे की छुटटी की घोषणा कर दी है। उसके अनुसार, दशहरे पर स्कूलों में तीन और दीपावली पर पांच दिन की छुट्टी रहेगी। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। इसके अलावा विभाग ने छह दिन की शीतकालीन छुट्टी और डेढ़ महीने की ग्रीष्मकालीन छुट्टी की भी घोषणा कर दी है। विभाग के आदेश के मुताबिक दशहरा पर्व पर 14 से 16 अक्टूबर, दीपावली पर्व पर दो से छह नवंबर तक छुट्टी रहेगी। जबकि शीतकालीन अवकाश 25 से 31 दिसंबर 2021 तक रहेगा। विभाग ने यह भी साफ कर दिया है कि विद्यार्थियों को एक मई से 16 जून 2022 तक ग्रीष्मकालीन छुट्टी मिलेगी। जबकि शिक्षकों को छह दिन कम (एक मई से नौ जून 2022 तक) छुट्टी मिलेगी। उधर एक कार्यक्रम में हरियाणा के श्री विश्वकर्मा स्किल्स विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू ने ?कि आज उद्योगों की जरूरत के हिसाब से कौशल विकसित करना अनिवार्य है। कृषि आधारित कौशल विकास सबसे अधिक मांग वाले पाठ्यक्रमों में से एक है। उन्होंने यह बात कल अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में %स्किल डेवलपमेंट-लर्निंग्स फ्राम हरियाणा माडल÷ विषय पर व्याख्यान देते हुए कही। उन्होंने कहा कि उद्यमशीलता कौशल विकसित करने के लिए स्वरोजगार पर ध्यान दें। संस्थानों में मांग और उद्योग को लाने पर ध्यान दिया जाए। उद्योगों की जरूरतों के हिसाब से पाठ्यक्रम तैयार किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि उनके यहां शिक्षकों को उद्योग में समय बिताने की व्यवस्था के साथ नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है। विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों की लोकप्रियता यह है कि इस वर्ष 700 स्थानों के लिए लगभग 10 हजार लोगों ने नामांकन करवाया है। इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी, संस्थान की मुख्य कार्यपालन अधिकारी जीवी रश्मि, क्रिस्प के चेयरमैन श्रीकांत पाटिल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप और रियर मार्किंग प्लेट लगाना अनिवार्य

भोपाल। प्रदेश में भारी वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप (परावर्ती पट्टिका) और रियर मार्किंग प्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। ऐसा इस?लिए ?किया गया है सड़क दुर्घटनाएं रोकी जा सके। ऐसा नहीं करने वाले वाहनों का फिटनेस सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाएगा। इस बारे में परिवहन आयुक्त मुकेश जैन ने सभी क्षेत्रीय एवं जिला परिवहन अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। वहीं रिफ्लेक्टर और मार्किंग प्लेट की गुणवत्ता का पता लगाने के लिए कम्प्यूटराइज्ड व्यवस्था भी की जा रही है। इसके माध्यम से पुलिस और परिवहन विभाग के कर्मचारी पता लगा सकेंगे कि वाहन पर अमानक स्तर का रिफ्लेक्टर और मार्किंग प्लेट तो नहीं लगे हैं। पिछले नौ महीने में अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में भिंड एवं मुरैना जिलों में 21 लोगों की मौत हुई है। हाल ही में आगरा-मुंबई हाइवे पर मुरैना के बानमोर औद्योगिक क्षेत्र में अलीगढ़ उत्तर प्रदेश के चार पुलिसकर्मियों की मौत के बाद परिवहन विभाग हरकत में आया। विभाग के आयुक्त मुकेश जैन ने %मोटरयान अधिनियम 1989÷ के नियम 104 का हवाला देते हुए दोपहिया और तीन पहिया वाहनों को छोड़कर अन्य सभी वाहनों के पिछले हिस्से में दो लाल रंग का रिफ्लेक्टर लगाना अनिवार्य कर दिया है। परिवहन आयुक्त के मुताबिक नई व्यवस्था में वाहन पर परावर्ती टेप लगाने का सर्टिफिकेट विभाग की पोर्टल से जनरेट होगा। उसमें टेप की पूरी जानकारी होगी। मसलन लंबाई, चौड़ाई, रंग, टेप कब बना, कोड, निर्माता का नाम आदि। वाहन निर्माता व अधिकृत डीलर ने जिस वाहन पर लगाया है, उसका पंजीयन क्रमांक, चेचिस नंबर, इंजन नंबर, वाहन की श्रेणी, बॉडी का प्रकार और क्यूआर कोड। ये सर्टिफिकेट पोर्टल पर हमेशा रहेगा। वाहनों की जांच के दौरान क्यूआर कोड की मदद से इसे देखा जा सकेगा।आयुक्त ने लिखा है कि व्यावसायिक वाहनों को अगले भाग में सफेद एवं पिछले में लाल रंग का परावर्ती टेप लगाना होगा। वहीं, यात्री वाहनों को इसके अलावा पिछले हिस्से में पांच सेंटीमीटर चौड़ाई का परावर्ती टेप पूरी लंबाई में लगाने के निर्देश हैं। जबकि, निर्माण कार्य में उपयोग होने वाले वाहनों में आगे-पीछे के अलावा साइड में भी मापदंडों के अनुरूप परावर्ती टेप या कलर लगाना होगा।

आकार लेने लगे रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतले

भोपाल। राजधानी में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाने की तैयारी धूमधाम से प्रारंभ हो चुकी है। दशहरा पर्व पर बुराई के प्रतीकों के दहन के लिए रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतले बनाने का काम शुरु हो चुका है। शहर में अनेक जगहों पर रावण, कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतले आकार लेने लगे हैं। शहर के बिट्टन मार्केट बासंखड़ी, अवधपुरी जंबूरी मैदान, लालघाटी, करोंद, अयोध्या बायपास शहर के अन्य जगहों पर रावण, कुंभकर्ण व मेघनाथ के पुतले बनाए जा रह हैं। चार से लेकर 21 फीट ऊंचे फीट रावण के पुतले बनाए जा रहे हैं। पुतलों में पटाखे लगाए जा रहे हैं। साथ ही पुतलों को अलग-अलग रंगों से सजाया जा रहा है। पुतलों के लिए पहले बांस की बल्लियों से ढांचा तैयार किया जा रहा है। आकार देकर कागज लपेटे जाते हैं। इसके बाद रंगीन कागजों और रंगों से मुंह, हाथ, पैर बनाए जाते हैं। इस बार शहर में कलाकारों द्वारा छोटे-बड़े करीब 5000 रावण, कुंभकर्ण व मेघनाथ के पुतले बनाए जाएंगे। इससे लोग अपने गली-मोहल्लों में भी रावण, कुंभकर्ण व मेघनाथ के पुतलों का दहन कर सकें। इसके अलावा शहर के बिट्टन मार्केट, संत हिरदाराम नगर, कोलार, भेल, अयोध्या नगर, अवधपुरी, करोंद, छोला व अन्य दशहरा मैदानों पर दहन के लिए रावण, कुंभकर्ण व मेघनाथ के बड़े पुतले बनाए जाएंगे। समितियों ने तीनों पुतलों की अलग-अलग ऊंचाई के बनाने के लिए ऑर्डर दिए हैं। हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष कैलाश बेगवानी ने बताया कि शासन द्वारा गाइडलाइन जारी किए जाने के बाद अब उत्साह से नवरात्र पर्व मनाया जा रहा है। दशहरा उत्सव भी धूमधाम से मनाएंगे। पिछले साल दशहरा पर्व धूमधाम से नहीं मना पाने से मायूस लोगों ने इस बार कोरोना का प्रकोप कम होने से बुराई पर अच्छाई की विजय के इस पर्व को मनाने की तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। अब दशहरा पर्व आने में सिर्फ एक हफ्ता शेष है। लोगों में इस बार रावण, कुंभकर्ण व मेघनाथ के पुतलों के दहन को लेकर खासा उत?साह है।

लोहे के बाद अब बढेंगे सीमेंट के भी दाम

भोपाल। लोहे के सरियों के बाद अब सीमेंट के दाम भी बढने वाले है। सीमेंट कंपनियों ने 10 अक्टूबर से दाम बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। सभी सीमेंट कंपनियों ने एक साथ मूल्यवृद्धि की घोषणा की है। कोयले और बिजली के बढ़ती कीमतों को दाम बढ़ाने की वजह बताया गया है। फिलहाल प्रति बोरी 10 से 20 रुपये बढ़ाने की बात कही गई है। सीमेंट कारोबारियों को दो दिन पहले कंपनियों की ओर से सूचना दी गई थी कि दामों में 30 रुपये तक की बढ़ोतरी की जा सकती है। सूचना के बाद खुदरा कारोबारियों ने 8 अक्टूबर से 10 रुपये प्रति बोरी दाम बढ़ा दिए हैं। राजधानी के अनुसार फिलहाल शहर में सीमेंट कंपनी के अनुसार अलग-अलग ब्रांड में 330 से 350 रुपये प्रति बोरी बिक रही है। शुक्रवार से सभी के दामों में 10 रुपये की वृद्धि होगी। कंपनियों की ओर से संदेश मिलने के बाद ही दामों में यह वृद्धि की जा रही है। मध्यभारत के बड़े सीमेंट डीलरों में शामिल हेमंत गट्टानी के अनुसार कंपनी की ओर से हमें 10 अक्टूबर से दाम बढ़ने की सूचना मिली है। उसी तारीख से हम मूल्यवृद्धि कर रहे हैं। सीमेंट के दामों में बीते महीने भी बढोतरी की गई थी। हालांकि ताजा वृद्धि को दामों में बढ़ी तेजी लाने की शुरुआत माना जा रहा है। बिल्डर अजय चौरड़िया के अनुसार बीते महीने सीमेंट के दाम करीब 10 रुपये बढ़े थे।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री का पुतला फूंका, एसडीएम बोले मेरी जानकारी में नही

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नगर के प्रमुख पान वाला चौराहा पर देश के प्रधानमंत्री का पुतला दहन कर दिया। खास बात यह रही जनता को नियमो को पाठ पढ़ाने वाले प्रशासन को इसकी भनक तक न लगी शांति समिति की बैठक बुलाकर धार्मिक आयोजनों पर जनता को नियम सिखाने वाला प्रशासन, शहर की चौकसी व गस्त करने की बात कहकर अपनी पीठ को खुद ही थपथपाने वाला पुलिस प्रशासन अपने ही मुह मिया मिठू तो बनता है मगर उसी नगर के प्रमुख बाजार चौराहा पर देश के प्रधानमंत्री का पुतला दहन कर दिया जाता है और प्रशासन के मुखिया एसडीएम पुतला दहन की कोई लिखित व मौखिक सूचना न होने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते है। ज्ञात हो कि गुरुवार शाम 7 बजे के आसपास कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा नगर के प्रमुख पान वाला चौराहा पर मंहगाई, किसान बिल जैसे मुद्दे को लेकर देश के प्रधानमंत्री का पुतला दहन कर दिया। प्रधानमंत्री के पुतला दहन के कारण भाजपा नेताओं ने इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए प्रशासन की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

वर्जन 1

प्रधानमंत्री के पुतला दहन की मुझे कोई लिखित व मौखिक सूचना प्राप्त नही हुई। पुलिस थाने से भी ऐसी कोई जानकारी नही मिली

शुभम शर्मा एसडीएम गोहद

वर्जन2

देश के प्रधानमंत्री का पुतला दहन कांग्रेस की ओछी मानसिकता का परिचायक है। प्रधानमंत्री के गरीबो के हित में किये गए कार्यो को कांग्रेसी पचा नही पा रहे है। पुतला दहन की प्रशासन को जानकारी न होना प्रशासन की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाता है।

विवेक जैन अध्यक्ष भाजपा गोहद

सीएम राइज स्कूलों में पढ़ाने शिक्षकों को देना होगी परीक्षा

मात्र 20 हजार शिक्षकों ने परीक्षा में शामिल होने में दिखाई रुचि

भोपाल। प्रदेश के सीएम राइज स्कूलों में पढ़ाने के इच्छूक शिक्षकों को पहले परीक्षा देना होगी। परीक्षा में शामिल होने में मात्र 20 हजार शिक्षकों ने रुचि दिखाई है। सीएम राइज स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए शिक्षकों की परीक्षा ली जाएगी। चयनित स्कूलों में पहले से कार्यरत शिक्षक स्थानांतरण कराने में जुट गए हैं, क्योंकि इन स्कूलों में परीक्षा के माध्यम से पदस्थापना की जाएगी। इन स्कूलों में केजी से बारहवीं तक की कक्षाएं संचालित की जाएंगी। यहां निजी स्कूलों की तर्ज पर हर सुविधाएं दी जा रही हैं। इस साल प्रदेश में 255 स्कूलों को शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें भोपाल जिले में सात स्कूलों को शामिल किया गया है। इसमें उप प्राचार्य, प्रधानध्यापक, प्री-प्रायमरी शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक, कक्षा छठवीं से बारहवीं के लिए विषयमान शिक्षक, लाइब्रेरियन, कंप्यूटर शिक्षक, शारीरिक शिक्षक, प्रयोगशाला सहायक, संगीत शिक्षक, फाइन आर्ट, मनोविज्ञानी, करियर काउंसलर, स्पेशल एजुकेटर के पदों पर चयन प्रक्रिया के तहत भर्ती होगी। चयनित स्कूलों में शत-प्रतिशत रिक्तियां मानकार परीक्षा ली जाएगी और पदस्थापना होगी। बता दें कि 30 सितंबर तक विमर्श पोर्टल के माध्यम से शिक्षकों को आवेदन करना था। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अक्टूबर माह में परीक्षा कराए जाने की संभावना है। प्रधानाध्यापक पद के लिए लिखित परीक्षा के तहत 60 अंकों का प्रश्नपत्र होगा। पांच अंक एमएड से मिलेंगे। लिखित परीक्षा ऑफलाइन मोड में ओएमआर शीट पर होगी। प्रश्न बहुविकल्प वाले होंगे। लिखित परीक्षा में न्यूनतम 50 फीसद अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को ही पात्र माना जाएगा और उनकी मेरिट सूची जारी की जाएगी। शिक्षकों के लिए लिखित परीक्षा 80 अंक की होगी। इसमें तीन भाग होंगे। विषय ज्ञान 50 अंक, एप्टीट्यूट टेस्ट 10 अंक, साइकोमेट्रिक टेस्ट 10 अंक, अंग्रेजी ज्ञान 10 अंक। 20 अंक का साक्षात्कार होगा। सीएम राइज विद्यालयों में पदस्थापना नियमित शिक्षकों की की जा रही है। इन विद्यालयों में किसी भी प्रकार की नई नियुक्ति नहीं की जा रही है, इसलिए आरक्षण की आवश्यकता नहीं है।सीएम राइज स्कूलों के लिए चयनित शिक्षकों का कार्यकाल पांच साल का रहेगा। इसके बाद संबंधित शिक्षक के कार्य के मूल्यांकन के आधार पर अवधि में वृद्धि की जा सकेगी। आवेदकों को विकासखंड में प्राथमिकता क्रम के आधार पर स्कूल चुनने के लिए कहा गया था। चयन के बाद पदस्थापना के लिए स्कूलों के प्राथमिकता क्रम की सुविधा दी जाएगी।

घर बैठे लाइसेंस तो बन जाएंगे, लेकिन लाइसेंस लेने आरटीओ ऑफिस ही जाना पड़ेगा

परिवहन विभाग अगले माह से शुरू कर सकता है घर बैठे लाइसेंस रिन्युअल, डुप्लीकेट और एड्रेस चेंज की व्यवस्था

भोपाल। परिवहन विभाग प्रदेश में अगले माह से परमानेंट लाइसेंस के रिन्युअल, डुप्लीकेट और एड्रेस चेंज जैसे सभी काम घर बैठे ऑनलाइन शुरू करने की तैयारी में है। इससे आवेदकों को इन कामों के लिए ऑफिस नहीं आना पड़ेगा, लेकिन लाइसेंस कार्ड बन जाने के बाद आवेदकों को कार्ड लेने के लिए ऑफिस जाना ही पड़ेगा। विभाग द्वारा 1 अगस्त से प्रदेश में ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस की व्यवस्था शुरू की है और 1 सितंबर से परमानेंट लाइसेंस के रिन्युअल, डुप्लीकेट और एड्रेस चेंज जैसे कामों को भी ऑनलाइन किया जाना था, लेकिन ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस की व्यवस्थाओं में कई कमियां सामने आने और इस तरह बने लाइसेंस के परमानेंट लाइसेंस बनाने में आ रही दिक्कतों को देखते हुए विभाग ने नई व्यवस्था को आगे बढ़ा दिया है, लेकिन नई व्यवस्था के लागू होने से पहले ही इससे जुड़ी परेशानियां भी सामने आने लगी हैं। आवेदक अगर घर बैठे ऑनलाइन सिस्टम से अपने परमानेंट लाइसेंस का रिन्युअल, डुप्लीकेट या एड्रेस चेंज की प्रक्रिया करते हैं तो उनका काम तो हो जाएगा, लेकिन विभाग ने अब तक ऐसे आवेदनों के बाद तैयार लाइसेंस को आवेदक तक पहुंचाने को लेकर कोई तैयारी नहीं की है, जिसके कारण आवेदकों को लाइसेंस लेने के लिए तो आरटीओ ऑफिस जाना ही पड़ेगा। मौजूदा व्यवस्था में आवेदक जब अपने परमानेंट लाइसेंस के रिन्युअल, डुप्लीकेट या एड्रेस चेंज के आवेदन के साथ आरटीओ ऑफिस जाते हैं तो दस्तावेजों के साथ अपना पता लिखा स्पीड पोस्ट का लिफाफा भी जमा करते हैं।

बुजुर्ग महिला को बंधक बनाकर लूटा: जिंदगीभर बच्चों को अच्छे की सीख दी

ग्वालियर। ग्वालियर में 70 वर्षीय रिटायर्ड महिला शिक्षिका के घर में घुसकर उनको बंधक बनाकर जेवरात लूटने वाले दो बदमाशों के CCTV फुटेज शुक्रवार को सामने आए हैं। दोनों बदमाश उनकी गली के बाहर लगे एक CCTV कैमरे में भागते समय रिकॉर्ड हो गए हैं। वृद्धा अभी भी इतनी घबराई है कि पुलिस को ठीक से कुछ नहीं बता पा रही है। बुजुर्ग महिला को इसी बात का मलाल है कि जिंदगीभर उसने बच्चों को अच्छे का पाठ पढ़ाया, लेकिन उसके साथ कोई दो लड़के बंधक बनाकर लूट की वारदात कर गए। बार-बार वह सीन याद कर वृद्धा परेशान हो जाती है। पुलिस ने फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

यह है पूरा मामला

जनकगंज स्थित न्यू शांति नगर निवासी 70 वर्षीय प्रतिभा भटनागर रिटायर्ड शिक्षिका हैं। वह घर में अकेली रहती है। उनके साथ ही एक महिला व उनकी बच्ची उनकी देखरेख के लिए रहती है। बुधवार दोपहर करीब

12 बजे बच्ची दूसरी मंजिल पर स्थित अपने कमरे में खाना खाने गई थी और प्रतिभा आराम करने के लिए बिस्तर पर लेटी थी। इसी बीच दो बदमाश आए और दुपट्टे से उनका मुंह बंद कर उनकी मारपीट की और दो हजार रुपए के साथ ही हाथ में सोने के कड़े, चेन लूट ले गए। वारदात के बाद बदमाशों ने बुजुर्ग महिला को मुंह से आवाज निकालने पर जान से मारने की धमकी दी और वहां से दौड़ लगा दी। इसके बाद महिला घबराई से वहीं बैठी रह गई। कुछ देर बाद जब खाना खाने के बाद उनकी देखभाल करने वाली बच्ची लौटी तो घटना का पता लगा। 24 घंटे तो वृद्धा ने मामले की शिकायत ही नहीं की। फिर किसी ने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस पहुंची तो वृद्धा से पूछताछ की गई। इस मामले में वृद्ध महिला ने तो पुलिस को कुछ ज्यादा नहीं बताया, क्योंकि घटना के 2 दिन बाद भी वह डरी हुई है। पर पुलिस ने अपनी तरफ से प्रयास किए हैं। जिसमें घटना स्थल से कुछ दूरी पर एक CCTV कैमरे ने पुलिस को इस लूट में एक पहला सुराग दिया है। पुलिस ने फुटेज निकाल लिए हैं। इसमें दो युवक 25 से 30 साल के बीच उम्र के दिख रहे हैं। यह पहले वृद्धा के घर की तरफ पैदल-पैदल जाते दिख रहे हैं। उसके कुछ देर बाद लौटते समय भागते हुए नजर आ रहे हैं।

महिला के प्लॉट पर पड़ोसी ने किया कब्जा

ग्वालियर। शहर के महाराजपुरा थाना क्षेत्र के आदित्यपुरम मे एक महिला के प्लॉट पर पड़ोसी ने कब्जा कर निर्माण कार्य शुरू करा दिया। जब महिला ने विरोध किया तो आरोपित ने उसे जान से मारने की धमकी दे दी। इसके बाद पीड़िता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार महाराजपुरा थाना क्षेत्र के आदित्वपुरम निवासी प्रतिमा सिंह ने घर से कुछ ही दूरी पर कुछ समय पूर्व एक प्लॉट खरीदा है। जिसकी उन्होंने नींव भरवा दी है। बीते रोज पता चला कि पास ही रहने वाला प्रकाश पाल व उसका बेटा रामवीर पाल अपने दो अन्य साथियों के साथ उसके मकान पर कब्जा कर रहा है। इसका पता चलते ही पीड़िता मौके पर पहुंची तो वहां पर आरोपी निर्माण करा रहे थे और प्लॉट में मवेशी बांध रखे थे। जब उसने विरोध किया तो आरोपितों ने उसे दोबारा वहां पर आने पर जान से मारने की धमकी दे दी।

रोक-टोक करने पर बेटी ने मारा चाकू: फोन पर बात करने से रोकती थी सौतेली मां

ग्वालियर। ग्वालियर के जनकगंज में नाबालिग बेटी को फोन पर किसी से बात करते समय टोकना सौतेली मां को महंगा पड़ गया। नाबालिग सौतले मां से इतनी खफा हो गई कि उसने हत्या की योजना तक बना डाली। वह बाजार गई 30 रुपए में चाकू खरीदकर लाई। जब मां गहरी नींद में थी तो कमरे में पहुंचकर गले पर वार कर दिया। किस्मत से चाकू सीधा गले पर न लगते हुए साइड में लगा। चाकू लगते ही मां चिल्लाई तो सामने बेटी खड़ी थी। उसके हाथ में चाकू था और दोनों हाथ में खून लगा था। घटना के बाद महिला ने बेटी को बचाते हुए देवरानी को आरोपी बता दिया। इसके बाद पुलिस ने देवरानी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया, लेकिन शुक्रवार को अचानक पूरे मामले का खुलासा हो गया। पुलिस ने नाबालिग बेटी को हिरासत में लेकर पूछताछ की और उसे वन स्टॉप सेंटर भेज दिया है। साथ ही चाकू को नाबालिग के स्कूल बैग से बरामद कर लिया है।

यह है पूरा मामला: जनकगंज के कमानी पुल के पास रहने वाली 35 साल की मीना अपने पति मोनू के साथ बुधवार रात करीब 1 बजे जख्मी हालत में थाने पहुंची। मीना के गले के बगल में चाकू से वार का निशान था। तत्काल पुलिस ने उसे हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां

उसे ढ़ष्ट में भर्ती कर लिया गया। महिला ने पुलिस को बताया कि जब गले पर चाकू लगा तो वह चीखते हुए उठी। उसने वहां से देवरानी मनीषा को भागते हुए देखा। घटना बताते-बताते महिला बेहोश हो गई। इसके बाद जनकगंज थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। साथ ही मनीषा को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।। यहां मनीषा ने बताया कि उसने मीना पर हमला नहीं किया है। न ही उसका जेठानी से कोई विवाद है। पता नहीं जेठानी उसका नाम क्यों ले रही हैं। इसके बाद पुलिस को भी संदेह हुआ। पुलिस ने छानबीन शुरू की तो धीरे-धीरे कहानी ही बदल गई। पुलिस ने महिला के पति से जब घटना के बारे में पूछा तो उसने खुलासा किया कि घटना के वक्त वह उसी कमरे में था। रात करीब 1 बजे पत्नी की चीख से आंख खुली तो देखा कि पत्नी खून से लथपथ है और 14 साल की बेटी के हाथ में चाकू था, उस पर भी खून लगा था। इस खुलासे पर जब लड़की से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि सौतेली मां के डांटने से वह नाराज थी।

नाबालिग ने ऐसे दिया घटना को अंजाम: बुधवार दोपहर नाबालिग फोन पर किसी से हंस-हंसकर बात कर रही थी। इसी समय उसकी सौतेली मां वहां आई। मां ने उसे फोन पर ज्यादा बात करने के लिए टोका और डांट दिया। नाबालिग को पहले से ही सौतेली मां पसंद नहीं थी, डांटने के बाद वो और गुस्सा हो गई। उसने मां को खत्म करने का मन बना लिया। वह कॉपी खरीदने के बहाने बाजार गई और 30 रुपए में एक चाकू खरीद लाई।

नैनो न्यूज

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से महिला यात्री का पर्स व मोबाइल चोरी

ग्वालियर। छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में शातिर चोर महिला को सोता देख मौका पाकर सीट पर रखा मोबाइल व पर्स चोरी कर ले गए। महिला यात्री की शिकायत पर जीआरपी ग्वालियर ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मण्डला मध्यप्रदेश निवासी महिला श्रुतिलाल दांबडे छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के स्लीपर कोच एस-1 की सीट पर गोदिया से ग्वालियर आने के लिए सवार हुई थी। ट्रेन के झांसी से निकलने के बाद महिला यात्री को नींद लग गई। इसी बीच कोच में पहुंचे शातिर चोर महिला को सोता देख सीट पर रखा मोबाइल व बैग मौका पाकर चोरी कर ले गए। महिला को मोबाइल व बैग चोरी होने का पता ट्रेन के ग्वालियर स्टेशन पहुंचने से पहले लगा। ट्रेन से उतरी महिला सीधे जीआरपी थाने पहुंची। जीआरपी ने महिला यात्री की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर तलाश शुरु दी है।

श्रीमद् भागवत कथा 10 से

ग्वालियर। शहर की न्यू एकता कॉलोनी राजा गैस गोदाम गोल पहाड़िया लक्ष्मी गंज में 10 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ होने जा रही है जिसमें ग्वालियर शहर के सुप्रसिद्ध भागवताचार्य पंडित घनश्याम शास्त्री जी महाराज कथा का वाचन करेंगे जिसमें 10 अक्टूबर को कलश यात्रा गणेश मंदिर गोल पहाड़िया से सुबह 12ः00 बजे भागवत जी का पूजन सचिन पंडित जी द्वारा वैदिक मंत्रों के साथ कराया जाएगा जिसमें 108 कलसो को माता बहने सिर पर रखकर लाल पीली साड़ी पहन कर बैंड बाजे बग्गी एवं पगड़ी पहन कर तथा जगह-जगह स्वागत के साथ-साथ कथा स्थल पहुंचेगी संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर 1ः00 बजे से 6ः00 बजे तक चलेगी यह कथा 10 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी तथा 17 अक्टूबर हवन पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा तथा जिसमें प्रतिदिन वृंदावन से पधारे कलाकारों द्वारा सुंदर सुंदर झांकियों के दिव्य दर्शन कराए जाएंगे।

रामलीला का मंचन 11 से

ग्वालियर। शहर के दीनदयाल नगर रामलीला मैदान में रामलीला समारोह का आयोजन 11 से 15 अक्टूबर तक क्षेत्रीय कलाकारों द्वारा किया जाएगा इस साल रामलीला का मंचन पांच दिवसीय रहेगा । रामलीला समारोह के लिए बीते हुए पूर्व विधायक मुन्ना लाल गोयल के आतिथ्य में भूमि पूजन किया गया इस अवसर पर रामलीला समिति के सदस्य भी उपस्थित थे।

रेलवे के अधिकारी और कर्मचारियों का सम्मान 14 को

ग्वालियर। रेलवे के झांसी मंडल द्वारा उन अधिकारी एवं कर्मचारियों का सम्मान 14 अक्टूबर को किया जाएगा जिन्होंने अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी से की है ।रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी मनोज सिंह ने बताया कि जिन लोगों ने पिछले साल अच्छा कार्य किया है उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा ।इस दिन रेल सप्ताह समारोह भी रखा गया है ।कार्यक्रम में विशिष्ट कार्य करने वालों को मंडल प्रबंधक आशुतोष सम्मानित करेंगे।

अंडर 12 क्रिकेट लीग 17 से

ग्वालियर। शहर एजी ऑफिस के पास आरोग्यधाम हॉस्पिटल के पीछे तानसेन क्रिकेट अकादमी के मैदान में अंडर 12 क्रिकेट लीग टूर्नामेंट 17 अक्टूबर से खेला जाएगा। भाग लेने के लिए इच्छुक टीमें 10 अक्टूबर से पंजीयन करा सकती हैं ।अकादमी से मिली जानकारी के अनुसार 50 ओवर के इस लीग में केवल चार टीमों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा ।वहीं टीमों को प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा ।

कोरोना से राहत डेंगू ने उड़ाए होश: 4 दिन में 132 मरीज के साथ ग्वालियर में अब तक 442 डेंगू पॉजिटिव केस आए सामने

ग्वालियर। ग्वालियर में कोरोना से राहत है। एक्टिव केस जीरो हो गए हैं, लेकिन डेंगू ने होश उड़ा रखे हैं। ताबड़तोड़ डेंगू के पॉजिटिव केस सामने आ रहे हैं। अभी तक 442 डेंगू के मरीज सामने आ चुके हैं, लेकिन डराने वाली बात यह है कि इनमें 245 बच्चे मरीज हैं। बीते 4 दिन में 132 मरीज डेंगू के निकले हैं। ग्वालियर के डीडी नगर, पिंटो पार्क, मुरार व सिकंदर कंपू डेंगू के हॉट स्पॉट बने हुए हैं।

डेंगू के लगातार केस बढ़ने पर बीते दो साल का रिकॉर्ड भी टूट गया है। साल 2019 में 370 केस आए थे और वर्ष 2020 में कोविड के चलते सिर्फ 16 केस ही मिले थे। इस बार दो साल का रिकॉर्ड डेंगू तोड़ चुका है। इतना ही नहीं नगर निगम की टीम भी घर-घर जांच कर लार्वा चेक कर रही हैं। अभी तक 150 लोगों पर स्पॉट फाइन कर चुके हैं। शहर में डेंगू तेजी से फैल रहा है। गजराराजा मेडिकल कॉलेज के माइक्रो बायोलॉजी विभाग एवं जिला अस्पताल मुरार में गुरुवार को 141 संदिग्ध मरीज के सैंपलों की जांच में 42 को डेंगू होने की पुष्टि हुई है। इनमें से 30 ग्वालियर तथा 12 अन्य जिलों के रहने वाले हैं। जिले में डेंगू पीड़ित मरीजों की संख्या 442 पहुंच गई है। गुरुवार को मिले जिले के 30 मरीजों में से 22 बच्चे हैं। पिछले एक माह में जिले में डेंगू के 415 मरीज मिल चुके हैं जिसमें से 245 बच्चे हैं।

डीडी नगर, पिंटो पार्क, मुरार,सिकंदर कंपू बने हैं डेंजर जोन: डेंगू को लेकर अभी तक महाराजपुरा, डीडी नगर, पिंटो पार्क, मुरार, सिकंदर कंपू, थाटीपुर हॉट स्पॉट (डेंजर जोन) बनते जा रहे हैं। इसलिए नगर निगम की स्पॉट फाइन करने वाली टीमें भी इन्हीं इलाकों में डेंगू की रोकथाम के लिए लगातार सर्वे कर रही हैं। लोगों को सलाह दी जा रही है कि कैसे रोज 10 मिनट निकालकर वह डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां से दूर रह सकते हैं।

जो दिख रहा है खतरा उससे भी कहीं ज्यादा: शहर में डेंगू के जो पॉजिटिव सामने दिख रहे हैं असल में खतरा उससे भी कहीं ज्यादा है। क्योंकि शहर में संचालित प्राइवेट पैथोलॉजी लैब पर भी डेंगू की जांच हो रही है। इनमें कई मरीज डेंगू पॉजिटिव भी निकल रहे हैं लेकिन स्वास्थ्य विभाग के पास इसकी कोई जानकारी नहीं है। इसका एक उदाहरण गुरुवार को ही सामने आया है सिकंदर कंपू क्षेत्र में 5 साल के बच्चे की डेंगू के चलते मौत हो गई थी। इसकी जांच ललितपुर कॉलोनी में संचालित एक प्राइवेट लैब पर हुई थी। लैब संचालक ने इसकी जानकारी CMHO कार्यालय को नहीं दी।

आपके 10 मिनट दूर भगा सकते हैं डेंगू, मलेरिया: जिला प्रशासन, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग लगातार तार लोगों को जागरूक कर रहा है। ष्ट्रस्नाह्र डॉ. मनीष शर्मा ने विनय नगर में खुद जाकर लोगों को समझाया है कि हर दिन सुबह 10 मिनट अपने घर की सफाई को दें। कहीं भी पानी जमा न होने दें, आसपास भी पानी का भराव न होने दे। यदि आप ऐसा करेंगे तो डेंगू, मलेरिया दूर भागेगा।

पुलिस की जुआरियों पर ताबड़तोड़ कार्यवाही 32 हजार रूपये सहित किया गिरफ्तार

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ग्वालियर पुलिस द्वारा जुआ, सट्टा तथा अवैध मादक पदार्थो की खरीद-बिक्री करने वालों के विरूद्ध अभियान चलाकर निरंतर कार्यवाहियां की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 08.10.2021 पुलिस अधीक्षक ग्वालियर अमित सांघी, को गोपनीय तंत्र से सूचना प्राप्त हुई कि जनकगंज थाना क्षेत्र स्थित गल्ला मंडी तथा बहोड़ापुर थाना क्षेत्र स्थित आनंद नगर में बड़ी तादाद में जुआरी लोग एकत्रित होकर जुआ खेल रहे है। उक्त सूचना पर से पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा अति0 पुलिस अधीक्षक शहर-मध्य श्रीमती हितिका वासल तथा अति0 पुलिस अधीक्षक शहर-पश्चिम सतेन्द्र सिंह तोमर को उक्त सूचना की तस्दीक कराते हुए थाना जनकगंज एवं बहोड़ापुर पुलिस बल की टीम गठित कर कार्यवाही कराने हेतु निर्देषित किया गया।

वकील हड़ताल पर, खुद की अपनी पैरवी

ग्वालियर। माई लॉर्ड, 11 साल से पत्नी से तलाक के लिए केस लड़ रहा हूं। शादी के बाद वह सिर्फ 7 दिन साथ रही और उसके बाद मायके चली गई। पत्नी ने मेरा जीना मुश्किल कर दिया है। केस जीतने के लिए मुझे कैरेक्टर लेस साबित करना चाहती है। जहां भी नौकरी करने जाता हूं वहां पहुंच जाती है। चरित्रहीन कहकर बदनाम करती है। जिससे मेरी कई नौकरियां तक छूट चुकी हैं। अब अपने परिवार का भरण पोषण भी नहीं कर पा रहा हूं। अब मुझ पर रहम कीजिए और तलाक दिलवा दीजिए। कैसे भी मुझे तलाक चाहिए। गुरुवार को हाईकोर्ट में वकीलों की हड़ताल होने पर एक पक्षकार ने अपने तलाक के मामले में कुछ इस तरह पैरवी की। कोर्ट ने उसकी बात को सुना और 20 अक्टूबर की तारीख दे दी है। गुरुवार को स्टेट बार काउंसिल के आह्वान पर अधिवक्ता हड़ताल पर थे। कोर्ट में केस में पक्ष रखने के लिए उपस्थित नहीं हुए। ऐसे में पक्षकारों को खुद ही अपने केस की पैरवी करना पड़ी है। उधर अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते सैकड़ों केस की सुनवाई प्रभावित होने के आसार हैं। हाई कोर्ट में करीब 700 केस प्रभावित होंगे, जबकि जिला कोर्ट में 2000 केस प्रभावित होने की संभावना है। गुरुवार को ग्वालियर निवासी राजीव (बदला हुआ नाम) के तलाक के मामले की सुनवाई थी, लेकिन कोई वकील पैरवी के लिए नहीं आया तो उसने ही अपने मामले की पैरवी करते हुए कोर्ट के सामने पक्ष रखा। युवक ने बताया कि उसकी शादी 12 साल पहले हुई थी। शादी के बाद पत्नी सिर्फ 7 दिन साथ रही और उसके बाद मायके चली गई फिर नहीं लौटी। काफी मनाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं मानी। अब 11 साल से वह तलाक के लिए केस लड़ रहा है। न तो तलाक मिल रहा है न ही पत्नी उसे चेन से जीने दे रही है। जहां भी वह नौकरी करने जाता है वहीं पत्नी पहुंचकर उसे कैरेक्टर लेस का आरोप लगाकर नौटंकी करती है। जिस कारण उसे नौकरी से हटा दिया जाता है। बार-बार नौकरी छूट रही है। बीते एक साल में सात नौकरी बदल चुका है। इस मामले में कोर्ट ने पूछा क्या चाहते हो उसने कहा कि मुझे किसी भी हालात में तलाक चाहिए।

पानी को लेकर सुबह विवाद, रात को घेरकर दो सगे भाइयों ने की फायरिंग, एक घायल, मोहल्ले में दहशत

ग्वालियर। ग्वालियर के बालाजीपुरम में पानी को लेकर गोलियां चली हैं। बोरिंग पंप से सीधे अपने यहां लाइन जोड़ने का पंप चालक ने विरोध किया तो झगड़ा हो गया। इसी पानी की रंजिश पर रात को घेरकर बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की है। जिसमें पंप चालक घायल हो गया है। घटना माधौगंज के बालाजीपुरम में रात 12 बजे की है। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाने के बाद हमलावर दो सगे भाई समेत 4 लोगों पर मामला दर्ज कर लिया है। घायल और हमलावर एक ही मोहल्ले के हैं। पानी के लिए इस तरह से अंधाधुंध गोलीबारी से बालाजीपुरम में दहशत का माहौल है। माधौगंज स्थित बालाजीपुरम निवासी सूरज धानुक नगर निगम की पानी बोरिंग की सप्लाई लाइन को ऑपरेट करता है।

बालाजीपुरम में पेयजल सप्लाई की किल्लत है। गुरुवार रात जब सूरज के लिए बोरिंग पंप की सप्लाई लाइन को खोल रहा था। तभी बाइक सवार चार बदमाश उसके पास पहुंचे और उन्होंने सूरज को देखते ही गोलियां चला दी। एक गोली सूरज के हाथ में जा लगी। जिससे वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। उसे नीचे जमीन पर गिरता देख आसपास के लोग उन चारों बदमाशों को पकड़ने के लिए दौड़े। तभी एक बदमाश ने हवा में फायरिंग कर दी और चारों बदमाश वहां से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए जयरोग्य अस्पताल में भर्ती कराया। घायल युवक के परिजन का आरोप है कि सूरज के पड़ोस में रहने वाले दो सगे भाई सुल्तान और फरियाद खां पानी की लाइन का डायरेक्ट कनेक्शन लगाए हुए है। जिस वजह से क्षेत्र में कई लोगों को पानी मिलने में असुविधा हो रही थी। उसी को लेकर 2 दिन पहले सूरज ने उन्हें पानी का कनेक्शन लेने के लिए बोला। जिससे क्षेत्र में अन्य लोगों को पानी मिल सके।

दोगुने दाम पर बिके फूल, फल 40 किलो तक महंगे

ग्वालियर। नवरात्रि पर्व के पहले दिन बाजार में फूल, फल और पूजन सामग्री के बाजार में काफी उछाल रहा। गुलाब और गेंदा फूल की कीमत डबल हो गई। व्रत के कारण फल की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। श्राद्ध पक्ष के कारण बढ़े सब्जियों के दाम यथावत रहे। इनमें गिरावट संभव है। उधर, दस्तावेज पंजीयन की रफ्तार तेज है। सर्विस प्रोवाइडर मनीष मंगल ने कहा कि वृत-2 (सिटी सेंटर-मुरार) में 11 अक्टूबर तक स्लॉट बुक हो चुके हैं। वृत-1 (लश्कर) में शुक्रवार की बुकिंग चल रही थी।

गुलाब 50 से बढ़कर 120 रु. किलो तक बिका: फूल किसान नत्थू सिंह कुशवाह ने कहा कि एक दिन पहले गुलाब 40-50 रुपए किलो था जो आज थोक मंडी में 100 से 120 रुपए किलो तक पहुंच गया। ऐसे ही गेंदा के फूल बुधवार तक 20 से 22 रुपए किलो तक बिक रहे थे पर इसकी कीमत भी गुरुवार को बढ़कर 40 से 45 रुपए किलो तक पहुंच गई।

टमाटर में 5 से 7 रुपए किलो तक वृद्धि हुई: सब्जी कारोबारी फूलचंद ने कहा कि टमाटर और मूली को छोड़कर भिंडी, आलू, तौरई, कद्दू के भाव पहले की तरह ही गुरुवार को रहे। दो दिन में कीमतों में कुछ गिरावट संभव है। टमाटर में 5 से 7 रुपए किलो तक वृद्धि हुई है।

फलों पर 2 से 30 रुपए किलो तक बढ़े दाम: थोक फल कारोबारी श्याम राजोरे ने कहा कि गुरुवार को केला, पपीता, सेव और अनार सहित अन्य फलों की कीमतों में वृद्धि हुई। पपीता 5 रुपए, केला 2 रुपए, सेव 10 रुपए तथा अनार में 30 रुपए किलो तक वृद्धि हुई है। फल विक्रेता मुकेश डेगला ने कहा कि फुटकर में अनार के अलावा अन्य कीमतें एक दिन पहले जैसी ही रहीं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478